E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 26 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, रविवार 09 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

प्रदर्शनकारी छात्र और हेमंत सोरेन सरकार के बीच दूसरे दौर की बातचीत, प्रदर्शन रहेगा जारी

रांची। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक के खिलाफ छात्र धरने पर बैठे हैं। आंदोलन के 15वें दिन प्रदर्शकारियों और सरकार के बीच दूसरे दौर की वार्ता हुई, जो बेनतीजा रही। इसके बाद छात्रों ने ऐलान किया कि प्रदर्शन अभी जारी रहेगा। इसके अलावा 10 अगस्त को विधानसभा घेराव करने का ऐलान पहले ही कर चुके हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात की। इस दौरान डेलिगेशन ने कहा कि कहीं भी अगर छात्रों के हक और अधिकार को छीना जाता है तो वहां हम उनके साथ में खड़े रहेंगे। गौरतलब है कि रांची में छात्र आंदोलन लगातार बढ़ते जा रहा है। छात्रों और हेमंत सोरेन सरकार के बीच दो राउंड की बातचीत भी हो गई है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इस बीच मोर्चे पर मोर्चे बनाते जा रहा है और अब सबकी नजरें 10 अगस्त पर बनी है। इस दिन प्रदर्शनकारी छात्र विधानसभा का घेराव करने वाले हैं। अगर इससे पहले तक कोई समाधान नहीं निकलता है तो सोरेन सरकार की मुश्किलें और बढ़ सकती है। सरकार से बातचीत के लिए प्रदर्शनकारियों ने 8 सदस्य का प्रतिनिधिमंडल बनाया है। जिससे ने शुक्रवार की रात सरकार से बातचीत की थी और आज शनिवार को भी वार्ता के लिए गए थे।

इस दौरान छात्रों के डेलिगेशन ने विवादित परीक्षाओं को रद्द करने, सीबीआई और ईडी से गड़बड़ियों की जांच करने की मांग की है। इसके साथ व्यवस्था में सुधार करने को भी कहा। दूसरे दौर की बातचीत करीब एक घंटा चली। जिसे सकारात्मक माना जा रहा है। अब रविवार को तीसरे दौर की सरकार के साथ बातचीत होगी। दूसरे दौर की वार्ता में छात्रों की ओर से भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विस्तार से अपनी मांगें सरकार के सामने रखी गईं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि मेहनत कर परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के साथ किसी प्रकार का अन्याय न हो। छात्रों ने विवादित परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग दोहराई। प्रदर्शनकारी छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने सरकार के समक्ष विवादित परीक्षाओं को रद्द कर दोबारा परीक्षा कराने, कथित पेपर लीक और अन्य गड़बड़ियों की जांच केंद्रीय एजेंसियों से कराने तथा भर्ती प्रक्रिया में स्थायी सुधार लागू करने की मांग रखी। छात्रों का कहना है कि केवल आश्वासन देने से आंदोलन समाप्त नहीं होगा, बल्कि उनकी प्रमुख मांगों पर स्पष्ट निर्णय और ठोस कार्रवाई की जरूरत है। सरकार और छात्रों के बीच हुई वार्ता करीब एक घंटे तक चली। बातचीत के बाद प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि चर्चा का माहौल सकारात्मक रहा, लेकिन अभी तक ऐसा कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है, जिसके आधार पर आंदोलन समाप्त किया जा सके। इसी कारण छात्रों ने धरना जारी रखने का फैसला किया है। हालांकि, रविवार को प्रस्तावित तीसरे दौर की बातचीत से समाधान निकलने की उम्मीद बनी हुई है।

छात्र आंदोलन के बीच विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों की सक्रियता भी बढ़ती जा रही है। शनिवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने धरना स्थल पर पहुंचकर प्रदर्शनकारी छात्रों से मुलाकात की और उनकी मांगों का समर्थन किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विद्यार्थियों के अधिकारों और उनके भविष्य से जुड़े किसी भी मुद्दे पर संगठन उनके साथ खड़ा रहेगा। इससे आंदोलन को राजनीतिक समर्थन मिलने की चर्चा भी तेज हो गई है। छात्रों ने पहले ही 10 अगस्त को विधानसभा घेराव का ऐलान कर रखा है। ऐसे में अब रविवार को होने वाली तीसरे दौर की वार्ता को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

छात्र वार्ता के बाद चार मंत्रियों संग सीएम ने की बैठक , 9 अगस्त को प्रस्तावित समझौते

रांची। जेपीएससी और जेएसएसी भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर जारी छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में चार सदस्यीय मंत्री समूह के साथ लंबी बैठक की। यह बैठक सरकार और छात्र प्रतिनिधियों के बीच हुई वार्ता के बाद हुई है। माना जा रहा है कि आंदोलित छात्रों की मांगों पर सरकार की ओर से प्रस्तावित समझौते के प्रारूप पर विचार किया गया। रविवार को छुट्टी का दिन होने के बावजूद सरकार की ओर से छात्रों की मांगों पर कार्रवाई का एक ब्लूप्रिंट पेश किया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस मुद्दे पर गठित मंत्री समूह के नेतृत्वकर्ता सुदिव्य कुमार ने कहा है कि सरकार छात्रों की मांगों पर बेहद गंभीर है और सभी मांगों का तार्किक समाधान निकालने को तत्पर है। सरकार और छात्र प्रतिनिधियों के बीच शनिवार दिन में दूसरे दौर की बातचीत हुई थी। करीब डेढ़ घंटे चली इस बैठक में छात्रों ने अपनी मांगों और उनसे जुड़े तथ्यों को सरकार के सामने रखा। छात्रों ने भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, कथित अनियमितताओं की जांच और परीक्षा व्यवस्था में सुधार सहित कई मुद्दे उठाए।

पीएम मोदी के पास आया अमेरिकी उप-राष्ट्रपति का फोन, रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर हुई चर्चा

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से फोन पर बात की। पीएम मोदी ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन आया। हमने प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की।' इसके साथ ही पीएम ने वेंस और उनके परिवार को बेटे के जन्म पर बधाई और शुभकामनाएं भी दीं। बता दें कि वेंस चौथी बार पिता बने हैं। इससे पहले उनके तीन बच्चे इवान, विवेक और मिराबेल है। वेंस की पत्नी का नाम ऊषा है, जो कि भारतीय मूल की हैं। पीएम मोदी और वेंस के बीच यह बातचीत ऐसे वक्त पर हुई है जब एक दिन पहले अमेरिकी सीनेट में भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का बिल पास हुआ। इसके अलावा भारत के विदेशी चंदा कानून (FRCA) में प्रस्तावित बदलावों पर अमेरिकी सांसद रिले मूर ने चिंता जाहिर की थी। उनके मुताबिक इन बदलावों की वजह से चर्चा और धार्मिक संस्थाओं पर बुरा असर पड़ सकता है। भारत सरकार के इस कदम को उन्होंने ईसाइयों के खिलाफ बताया था। उनके इस बयान पर भारत के विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि ये भारत का आंतरिक मामला है। ये भी कहा था कि अमेरिका समेत अन्य देशों में भी विदेशी फंडिंग को लेकर अपने कानून हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें एयरपोर्ट पर रिसीव किया था, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था।

38 दिनों में हिमाचल में हर तरफ तबाही: भारी बारिश के चलते 800 करोड़ रुपये से ज्यादा आर्थिक नुकसान, 150 लोगों की मौतें

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार भारी बारिश का दौर जारी है। इस वजह से भूस्खलन और प्राकृतिक आपदाओं की वजह से प्रदेश काफी प्रभावित हुआ है। इस बीच 30 जून, 2026 से लेकर 7 अगस्त तक की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि इन दिनों में कितनी तबाही मची है। यह रिपोर्ट राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (SEOC) ने जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, 38 दिनों में मानसून जनित घटनाओं में 150 लोगों की जान चली गई है, जबकि 226 घायल बताए गए हैं। वहीं, दो लोग लापता है। इसके अलावा राज्य को अब तक 834 करोड़ 67 लाख रुपये से ज्यादा आर्थिक नुकसान पहुंचा है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान कांगड़ा, चंबा, शिमला और मंडी जिले को पहुंच है। इनके अलावा 197 पशुओं की मौत हो चुकी है। 22 मकान पूरी तरह से तबाह हो चुके हैं, जबकि 41 मकानों को आंशिका नुकसान पहुंचा है। वहीं, बारिश और आपदा प्रभावित इलाकों में कृषि और बागवानी को भी नुकसान पहुंचा है। एसईओसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि सबसे ज्यादा मौते भूस्खलन, चट्टान और पेड़ गिरने, डूबने और अन्य प्राकृतिक घटनाओं से हुई है। जिसमें सड़क मौतें भी शामिल है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि प्री-मानसून सीजन में भी प्रदेश के 65 लोगों की जान चली गई थी। वहीं, सड़क के अलग-अलग हादसों में 78 नागरिकों की मौत हो गई थी। पहाड़ी इलाकों में लगातार भारी बारिश का दौर जारी है। इससे सफर करना काफी मुश्किल हो गया है। राज्य आपदा प्रबंधन की रिपोर्ट में बताया गया है कि 190 सड़कें अभी तक बंद है। इनमें सबसे ज्यादा सड़के मंडी जिले की शामिल है, जहां पर 91 सड़कें अभी तक नहीं खुली। वहीं, कुल्लू जिले में 42 सड़के बाधित है। इनके बंद हो जाने से ग्रामीण इलाकों में आवाजाही प्रभावित हुई है। इन्हें बहाल करने के लिए प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की टीमें लगी हुई है। इनमें से अकेले कुल्लू जिले में 53 ट्रांसफार्मर शामिल है।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने बढ़ाई सतर्कता, सेंट्रल नोएडा में मार्गों और शिविरों का किया निरीक्षण

नोएडा। श्रावण मास में चल रही कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए गौतमबुद्धनगर पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में जिले में कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा शैलेन्द्र कुमार सिंह ने पुलिस बल के साथ सेंट्रल नोएडा जोन के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कांवड़ यात्रा मार्गों और कांवड़ शिविरों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त ने कांवड़ यात्रा के प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि यात्रा मार्गों और शिविरों में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और आवश्यक सुविधाएं हर समय उपलब्ध रहें। पुलिस उपायुक्त ने विभिन्न स्थानों पर लगाए गए कांवड़ शिविरों का भी निरीक्षण किया।

"नकटे बूंचे सबसे ऊंचे" हाड़ौती कहावत में मदन दिलावर ने डोटासरा पर साधा निशाना, बोले- महेश जोशी के पास वाली बैरक खाली है

भीलवाड़ा। राजस्थान में एक बार फिर से सियासी जंग शुरू हो चुकी है। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भीलवाड़ा के जहाजपुर में आयोजित चारागाह दर्शन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर तीखा हमला बोला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिलावर ने हाड़ौती की कहावत 'नकटे-बूंचे सबसे ऊंचे' का इस्तेमाल करते हुए डोटासरा पर कटाक्ष किया। मंत्री मदन दिलावर ने डोटासरा पर निशाना साधते हुए कहा कि "चिंता मत करो, समय आपका भी आएगा।" उन्होंने अपने संबोधन में पेपर लीक मामले को लेकर भी पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा पर गंभीर आरोप लगाए। मदन दिलावर ने दावा किया कि पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने करोड़ों रुपये में पेपर बेचने का काम किया और इससे 27 लाख युवाओं का भविष्य खराब हुआ। ये आरोप मदन दिलावर ने जहाजपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान लगाए। अपने संबोधन में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस नेता महेश जोशी का भी जिक्र किया। दिलावर ने डोटासरा को निशाना बनाते हुए कहा कि जेल में महेश जोशी के पास वाली बैरक खाली है। मंत्री दिलावर के इस बयान के बाद राजस्थान की सियासत में एक बार फिर पेपर लीक और कथित अनियमितताओं का मुद्दा चर्चा में आ गया है। मदन दिलावर भीलवाड़ा के जहाजपुर में चारागाह दर्शन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए थे। इसी दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डोटासरा पर राजनीतिक कटाक्ष किए और पेपर लीक को लेकर आरोप लगाए। शिक्षा मंत्री के इन बयानों के बाद कांग्रेस की ओर से पलटवार की संभावना बढ़ गई है। पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा राजस्थान की राजनीति में पहले भी लगातार गरमाता रहा है। ऐसे में एक बार फिर सत्तापक्ष की ओर से लगाए गए आरोपों ने कांग्रेस के सामने राजनीतिक और सार्वजनिक दोनों स्तरों पर जवाब देने की चुनौती खड़ी कर दी है।

हालांकि, मंत्री की ओर से लगाए गए आरोपों पर अंतिम स्थिति संबंधित जांच और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही स्पष्ट होगी। कार्यक्रम के दौरान मदन दिलावर ने राज्य सरकार की शिक्षा व्यवस्था और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है और युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है और भविष्य में परीक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए सख्त व्यवस्था लागू की जाएगी। दिलावर ने अपने संबोधन में कांग्रेस शासन के दौरान शिक्षा और भर्ती प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों का भी जिक्र किया। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि युवाओं को राजनीतिक विवादों में उलझाने के बजाय उनके रोजगार और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से काम किया जाना चाहिए।

यूपीआई ट्रांजैक्शन पर उपयोगकर्ताओं से कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने यूपीआई ट्रांजैक्शन पर शुल्क लगाए जाने की चर्चाओं के बीच शनिवार को स्पष्ट किया कि यूपीआई से भुगतान करने वाले आम नागरिकों से किसी भी तरह का ट्रांजैक्शन शुल्क नहीं लिया जाएगा। सरकार ने कहा है कि व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले सभी यूपीआई ट्रांजैक्शन भी पूरी तरह निःशुल्क बने रहेंगे। साथ ही, व्यापारियों के लिए भी यूपीआई के अधिकांश ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि भविष्य में यदि व्यापारी छूट दर (एमडीआर) लागू की जाती है, तो यह केवल कुछ सीमित प्रकार के व्यापारी ट्रांजैक्शन पर, एक निश्चित सीमा से अधिक राशि होने की स्थिति में और बेहद मामूली दर पर लागू होगी। यह दर डेबिट या क्रेडिट कार्ड से लिए जाने वाले शुल्क की तुलना में काफी कम होगी। सरकार ने कहा कि सभी व्यापारियों पर एक समान शुल्क लगाने की कोई योजना नहीं है।

जयपुर में करीब 101 करोड़ रुपए की लागत से बनेगी महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी

जयपुर। राजस्थान के पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को घोषणा की है कि जयपुर में लगभग 101 करोड़ रुपए की लागत से महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाई जा रही है। राजस्थान के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भजनलाल शर्मा ने कहा कि अरुंधति चौधरी, यशवीर सिंह, राहुल शर्मा, मोना अग्रवाल और संध्या बिश्नोई जैसे खिलाड़ियों ने अपने अनुशासन और समर्पण से राज्य का नाम रोशन किया है, जिसमें उनके कोच और परिवारों का भी बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि अरुंधति चौधरी ने कॉमनवेल्थ गेम्स में बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीता, यशवीर सिंह ने जैवलिन थ्रो में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया, राहुल शर्मा ने शूटिंग पैरा वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीता, मोना अग्रवाल ने शूटिंग पैरा वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज मेडल और संध्या विश्नोई ने अंडर-17 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की 'खेलो इंडिया' पहल खिलाड़ियों को ट्रेनिंग, उपकरण, मेडिकल सुविधाएं और आर्थिक मदद दे रही है, जबकि राजस्थान अपने खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रहा है। 3,540 खिलाड़ियों के लिए 52 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन और आर्थिक मदद को मंजूरी दी गई है, और 186 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी गई है। राजस्थान ने सफलतापूर्वक 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025' की मेजबानी की, जिसमें सात शहरों में 222 यूनिवर्सिटी के 7,000 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। राज्य के खिलाड़ियों ने 60 मेडल जीते और राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में राज्य का मान बढ़ाया है।

सरकार ने 'स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम' शुरू की है, खेल उपकरणों पर 18 करोड़ रुपए खर्च किए हैं और 50 'खेलो इंडिया सेंटर' बना रही है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में एथलेटिक्स, तीरंदाजी और बॉक्सिंग के लिए एक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाया जा रहा है। शर्मा ने 'राजस्थान युवा नीति-2026' का जिक्र किया, जिसने शिक्षा, कौशल विकास, खेल और नेतृत्व के क्षेत्र में नए मौके पैदा किए हैं। 'एक जिला-एक खेल' पहल के तहत हर जिले में खास खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। अरुंधति चौधरी को 1 करोड़ रुपए और यशवीर सिंह को 30 लाख रुपए दिए गए।

जयपुर में आज निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा, जेपी नड्डा और सीएम भजनलाल शर्मा करेंगे नेतृत्व

जयपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड़ के नेतृत्व में रविवार को जयपुर में एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान देशभक्ति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यात्रा में शामिल लोग हाथों में तिरंगा लेकर चलेंगे और पूरे मार्ग पर 'जन गण मन' तथा 'वंदे मातरम्' की गूंज सुनाई देगी। यह आयोजन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और राजस्थान सरकार के कला, साहित्य एवं पुरातत्व विभाग के निर्देशों पर 9 से 17 अगस्त तक आयोजित होने वाले तिरंगा कार्यक्रम का हिस्सा है। जयपुर जिला कलेक्टर संदेश नायक के अनुसार, राज्य स्तरीय तिरंगा यात्रा रविवार सुबह करीब 9 बजे अल्बर्ट हॉल संग्रहालय से शुरू होगी। यात्रा शुरू होने से पहले केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सांसद मदन राठौड़ अमर जवान ज्योति (शहीद स्मारक) पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे और देश के लिए बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि देंगे। तिरंगा यात्रा अल्बर्ट हॉल के निकट स्थित राम निवास बाग के निकास द्वार से शुरू होकर सांगानेरी गेट और जौहरी बाजार होते हुए बड़ी चौपड़ पर समाप्त होगी।

संपादकीय

बीकानेर आईजी ओम प्रकाश ने जो कहा, वो कर दिखाया, अपराधों का ग्राफ निरंतर नीचे

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर रेंज पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 200 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थों का नष्टीकरण किया। श्रीगंगानगर जिले के राजियासर स्थित सीमेंट फैक्ट्री में जब्त मादक पदार्थों को नियमानुसार नष्ट किया गया। कार्रवाई महानिरीक्षक पुलिस, बीकानेर रेंज ओम प्रकाश की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक हरीशंकर, हनुमानगढ़ पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य सहित विभिन्न थानों के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। एनडीपीएस एक्ट की धारा 52ए(2) के तहत न्यायालय से भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जब्त मादक पदार्थों को जलाकर नष्ट किया गया। बीकानेर रेंज आईजी ओम प्रकाश ने बताया कि नशे के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत विभिन्न मामलों में बरामद मादक पदार्थों का नियमानुसार नष्टीकरण किया गया। कुल 102 एनडीपीएस प्रकरणों में जब्त सामग्री को नष्ट किया गया।

श्रीगंगानगर में नष्ट किए गए मादक पदार्थ

10 प्रकरणों में 75 किलो 11 ग्राम हेरोइन

91 प्रकरणों में 9 किलो 197 ग्राम स्मैक/हेरोइन

3 किलो 92 ग्राम गांजा

672 किलो 642 ग्राम पोस्त

1,690 नशीली गोलियां

हनुमानगढ़ में एमडी भी नष्ट

मुख्यमंत्री ने किया खेल प्रतिभाओं का सम्मान, राजस्थान के पदक विजेता खिलाड़ी हमारा गौरव

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अरुंधति चौधरी, यशवीर सिंह, राहुल शर्मा, मोना अग्रवाल और संध्या विश्नोई प्रदेश के गौरव हैं तथा इनसे युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। इन प्रतिभावान खिलाड़ियों के प्रशिक्षकों, परिजनों और सहयोगियों के त्याग और समर्पण ने इनकी सफलताओं की नींव रखी है। मुख्यमंत्री शनिवार को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब आफ राजस्थान में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अरुंधति चौधरी ने राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा है। यशवीर सिंह ने भाला फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा अपना स्थान बना लेती है। उन्होंने कहा कि शूटिंग पैरा वर्ल्ड कप में राहुल शर्मा ने स्वर्ण पदक, मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक, संध्या विश्नोई ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि इन सभी ने परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से भारत का तिरंगा विश्व मंच पर लहराया है तथा राजस्थान का नाम भी गौरव के साथ स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत खेलों के क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने खेलों को केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम माना है। वर्तमान में भारत विश्व को यह संदेश दे रहा है कि वह सिर्फ आर्थिक प्रगति नहीं कर रहा, बल्कि खेल, विज्ञान और तकनीक जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में खेलों का मजबूत वातावरण बना है, गांव-गांव से प्रतिभा की पहचान हो रही है और उसे विश्वस्तरीय मंच तक पहुंचाने की मजबूत व्यवस्था तैयार की गई है। केन्द्र सरकार द्वारा 36 हजार करोड़ रुपये के खेलो इंडिया से खेलो को नई दिशा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, उपकरण, चिकित्सा सुविधा और आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जयपुर में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए रिकॉर्ड स्तर पर आर्थिक सहयोग भी दिया है। अब तक 3 हजार 540 खिलाड़ियों को लगभग 52 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन एवं सहायता राशि स्वीकृत की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में प्राथमिकता दी जा रही है। अब तक 186 खिलाड़ियों को नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। प्रदेश में पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का सफल आयोजन भी किया गया। सात शहरों में आयोजित इन गेम्स में 222 विश्वविद्यालयों के लगभग 7 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रदेश के खिलाड़ियों ने इन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 60 पदक जीतकर देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम, 50 खेलो इंडिया केन्द्र भी स्थापित- मुख्यमंत्री ने कहा कि पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भी राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। राज्य सरकार खिलाड़ियों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील है।

इसी उद्देश्य से स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम लागू की गई है। उन्होंने कहा कि खेल उपकरणों की खरीद पर लगभग 18 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं। वहीं, 50 खेलो इंडिया केन्द्र स्थापित कर खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण, खेल सामग्री और प्रशिक्षकों की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह स्टेडियम में एथलेटिक्स, तीरंदाजी और बॉक्सिंग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी स्थापित किया जा रहा है।

मेवाड़ी परम्परा से हुआ ब्रिक्स देशों के विदेशी प्रतिनिधियों का स्वागत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा ब्रिक्स देशों के प्रतिस्पर्धा प्राधिकरणों के वरिष्ठ अधिकारियों का सम्मेलन उदयपुर के ऐतिहासिक ताज फतेह प्रकाश पैलेस में आयोजित हुआ। सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के प्रतिस्पर्धा प्राधिकरणों के लगभग 15 प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। उदयपुर पहुंचे विदेशी प्रतिनिधियों एवं उनके साथ आए वरिष्ठ अधिकारियों के दल ने उदयपुर की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत का भी अवलोकन किया।

इस दौरान महाराणा मेवाड़ चौरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर द्वारा संचालित सिटी पैलेस संग्रहालय में प्रतिनिधिमंडल का मेवाड़ी परम्परा एवं राजस्थानी आतिथ्य सत्कार के अनुरूप आत्मीय स्वागत किया गया। सदियों पुरानी मेवाड़ की विरासत, स्थापत्य कला और संग्रहालय में संरक्षित ऐतिहासिक धरोहरों को देखकर प्रतिनिधि विशेष रूप से अभिभूत नजर आए।

जन अभाव अभियोग निराकण समिति के सदस्य, जनता और प्रशासन के बीच मजबूत सेतु

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन अभाव अभियोग निराकरण समिति आमजन की समस्याओं को सुनकर उन्हें प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण काम करती है। साथ ही, उनके समाधान की प्रक्रिया को गति देने तथा उसकी निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाती है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर समिति के सदस्य सेवा के भाव के साथ नागरिकों की समस्याओं को हल करने के लिए सक्रियता से काम करें। मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न जिला स्तरीय जन अभाव अभियोग निराकरण समिति सदस्यों के धन्यवाद एवं आभार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समिति के सदस्य जनता और प्रशासन के बीच मजबूत सेतु हैं। वे आमजन के जन अभाव और अभियोग का त्वरित समाधान करते हैं तथा धरातल पर योजनाओं के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता के लिए है, जनता के बीच है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है। इसी सोच के साथ प्रदेश में जनसुनवाई की व्यवस्था को मजबूत बनाया गया है, जिसके माध्यम से महिला, युवा, किसान और गरीब की दिक्कतों को पूर्ण संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका निराकरण किया जाता है। इससे राजस्थान में सुशासन का संकल्प साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 181 राजस्थान संपर्क अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति की शिकायत राज्य सरकार तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है।

राज्यपाल ने ली उदयपुर के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। राज्यपाल बागडे ने शनिवार को उदयपुर में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में टीबी नियंत्रण, नशामुक्ति एवं स्कूली शिक्षा सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ ही आमजन में जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने टीबी नियंत्रण को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र तथा सीमेंट फैक्ट्रियों में कार्यरत एवं इनसे जुड़े लोगों का सर्वे करवाकर टीबी नियंत्रण के प्रभावी उपाय किए जाएं। उन्होंने शहर की कच्ची बस्तियों में भी विशेष रूप से सर्वे करवाने तथा संभावित मरीजों की पहचान कर समय पर उपचार उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने नशामुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को समान सिविल संहिता प्रारूप समिति ने सौंपा यूसीसी का ड्राफ्ट

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शनिवार को समान सिविल संहिता प्रारूप समिति के सदस्यों ने मुलाकात कर राजस्थान में समान सिविल संहिता (यूसीसी) के संबंध में तैयार किया गया ड्राफ्ट सौंपा। इस अवसर पर विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, समिति के सदस्य बसंत सिंह छाबा, रामस्वरूप अग्रवाल, डॉ. शुचि चैहान तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत उपस्थित रहे। साथ ही, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को प्रारूप सौंपे जाने के साथ ही राजस्थान में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में चल रही प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गई है। समिति ने विभिन्न कानूनी और सामाजिक पहलुओं का अध्ययन करने के बाद तैयार किए गए दस्तावेज को सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया। अब सरकार की ओर से इस प्रारूप का परीक्षण किया जाएगा और इसके प्रावधानों पर आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक विचार-विमर्श के बाद आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और पारिवारिक मामलों से जुड़े व्यक्तिगत कानूनों में एक समान कानूनी व्यवस्था स्थापित करना है। राजस्थान में इसके लिए गठित समिति ने विभिन्न पक्षों और संबंधित विषयों का अध्ययन कर प्रारूप तैयार किया है। समिति की सिफारिशों के आधार पर राज्य सरकार यह तय करेगी कि प्रस्तावित प्रावधानों को किस स्वरूप में आगे बढ़ाया जाए। बैठक में विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल की मौजूदगी भी महत्वपूर्ण रही। समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रारूप से जुड़े प्रमुख पहलुओं की जानकारी साझा की। अधिकारियों और समिति के सदस्यों के बीच प्रारूप के कानूनी प्रभाव, प्रशासनिक क्रियान्वयन तथा प्रदेश की परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक प्रावधानों को लेकर चर्चा होने की संभावना है। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े। प्रारूप के आगे बढ़ने पर इसके क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न विभागों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी।

ईपीएफओ अब नियामक नहीं, सुविधादाता की भूमिका में -अजीत कुमार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

कोटा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अब केवल नियामक संस्था के रूप में नहीं, बल्कि नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों के लिए सुविधादाता (Facilitator) के रूप में कार्य कर रहा है। उद्योगों की प्रगति में मानव संसाधन को सबसे महत्वपूर्ण निवेश बताते हुए अतिरिक्त केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त, राजस्थान अंचल अजीत कुमार ने कहा कि ईपीएफओ द्वारा प्रक्रियाओं को सरल बनाने और हितधारकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 का भविष्य निधि ब्याज भी सभी पात्र सदस्यों के खातों में समय पर जमा किया जा चुका है।

बीकानेर में बीकाजी फूड्स पर विधिक माप विज्ञान विभाग की कार्रवाई, असत्यापित कांटे-बाट मिलने पर 40 हजार रुपये जुर्माना

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। विधिक माप विज्ञान विभाग का औचक निरीक्षण अभियान जिले में लगातार जारी है। विभागीय टीम ने तीन औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण कर अनियमितताएं पाए जाने पर कुल 1.15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 एवं राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम, 2011 के तहत की गई कार्रवाई में विधिक माप विज्ञान अधिकारी सुरेश कुमार, दीपक पुनिया एवं देवकी नंदन के नेतृत्व में जांच दल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड में असत्यापित बाट एवं कांटे पाए गए। विभिन्न अनियमितताओं के चलते विभाग ने प्रतिष्ठान पर 40 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इसी प्रकार नापासर औद्योगिक क्षेत्र स्थित महेश आइसक्रीम ब्रांड जोशी आइसक्रीम तथा एमएम प्रोडक्ट्स (व्हे प्रोटीन उत्पादक) में भी कांटे असत्यापित पाए गए। इसके अलावा पैकेजिंग पर आवश्यक घोषणाओं, जैसे नेट वेट और यूनिट सेल प्राइस आदि में कमियां मिलीं। इन अनियमितताओं पर दोनों प्रतिष्ठानों पर कुल 75 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। विभाग ने बताया कि आगामी दिनों में पूरे राजस्थान में डिब्बाबंद एवं पैकेज्ड वस्तुओं की नियमित जांच जारी रहेगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग के अनुसार इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करना, सही माप-तौल सुनिश्चित करना और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार औचक निरीक्षण का उद्देश्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों में माप-तौल की प्रक्रिया को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखना है। जांच के दौरान अधिकारियों ने प्रतिष्ठानों में उपयोग किए जा रहे कांटों और बाटों का सत्यापन किया तथा पैकेज्ड वस्तुओं पर अंकित आवश्यक जानकारियों की भी जांच की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं को किसी भी वस्तु की खरीद के समय उसकी वास्तविक मात्रा, मूल्य और अन्य जरूरी जानकारी स्पष्ट रूप से उपलब्ध होना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान जिन प्रतिष्ठानों में असत्यापित माप उपकरण पाए गए, उनके संचालकों को नियमों की जानकारी भी दी गई। विभाग ने प्रतिष्ठान संचालकों को निर्देशित किया कि व्यावसायिक गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले सभी बाट और कांटे निर्धारित समय पर सत्यापित कराए जाएं। बिना सत्यापन के माप उपकरणों का इस्तेमाल उपभोक्ताओं के हितों को प्रभावित कर सकता है और यह विधिक प्रावधानों का उल्लंघन है। पैकेज्ड वस्तुओं की जांच के दौरान अधिकारियों ने पैकेट पर अंकित घोषणाओं को भी विशेष रूप से देखा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का बीकानेर दौरा, 14 अगस्त को मेघासर में करेंगें मेघोजी की प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह बीकानेर में होने के चलते मुख्यमंत्री कोलायत विधानसभा क्षेत्र के गांव मेघासर में 14 अगस्त को मेघोजी उपाध्याय की अश्वारूढ़ प्रतिमा अनावरण कर जनसभा को संबोधित करेंगें। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन और आयोजकों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री देवीसिंह भाटी, मंत्री सुमित गोदारा, विधायक अंशुमान सिंह भाटी, सिद्धि कुमारी, ताराचंद सारस्वत, जेठानंद व्यास, विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारीलाल विश्नोई तथा भाजपा देहात जिलाध्यक्ष श्यामसुंदर पंचारिया सहित कई जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर भाजपा देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया और विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का जायजा लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। श्याम पंचारिया ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर मेघासर में उत्सव जैसा माहौल है और ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने कहा कि मुख्यमंत्री की जनसभा ऐतिहासिक होगी। कार्यक्रम का आयोजन मेघोजी स्मारक आयोजन समिति एवं समस्त ग्रामवासियों की ओर से किया जा रहा है। गांव में स्वागत द्वार, मंच, बैठक व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा तथा यातायात प्रबंधन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रशासन ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

जनभागीदारी से 9 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान, जिले भर में तिरंगा थीम पर आयोजित होंगी विविध गतिविधियां

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्र प्रेम एवं देश भक्ति की भावना के साथ-साथ नागरिकों में जनभागीदारी का प्रतीक बन चुका है। इस बार भी जिले में इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला कलेक्टर टीना डाबी ने आवश्यक निर्देश दिए हैं । जिला कलक्टर ने अभियान को लेकर सुनियोजित एवं समयबद्ध गतिविधियां आयोजित करने के लिए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को नोडल प्रभारी एवं टोंक नगर परिषद आयुक्त को सह नोडल प्रभारी बनाया है। इस दौरान उन्होंने जिले के प्रमुख स्मारकों, बांधों, सरकारी भवनों समेत अन्य प्रमुख इमारतों को आकर्षक तिरंगा रोशनी सजाने पर जोर दिया है। 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के आयोजन की तैयारियों के सम्बन्ध में 14 अगस्त को आयोजित होने वाले कार्यक्रम का उद्देश्य विशेषकर युवा पीढ़ी को देश के विभाजन की त्रासदी से अवगत कराना है। 13 एवं 14 अगस्त को जिला एवं पंचायत स्तर पर विभाजन विषयक प्रदर्शनी तथा फिल्मों का प्रदर्शन आयोजित किया जाएं। साथ ही,14 अगस्त को जनप्रतिनिधियों, विभाजन प्रभावित परिवारों, स्वतंत्रता सेनानियों, स्वयं सहायता समूहों, कलाकारों, खिलाड़ियों तथा अन्य प्रबुद्ध नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने जिला, पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम, शालीन सजावट, पुष्पों से श्रद्धांजलि, दो मिनट का मौन तथा कैंडल मार्च आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि जिले भर में 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत जिला, नगरीय निकाय, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न जनभागीदारी आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान की शुरुआत 9 अगस्त को प्रातः 8 से 11 बजे तक प्रत्येक गांव एवं ढाणी में स्थानीय जनसमुदाय की सहभागिता से आयोजित तिरंगा प्रभात फेरी के साथ होगी।

10 अगस्त को प्रत्येक ग्राम पंचायत में नागरिकों एवं विद्यार्थियों की भागीदारी से ई-बाइक, साइकिल, ट्रैक्टर एवं तिरंगा रैलियां निकाली जाएंगी। 11 एवं 12 अगस्त को 'तिरंगा' एवं 'वंदे मातरम्' विषयक प्रदर्शनियों एवं मेलों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें तिरंगे के महत्व पर आधारित फोटो एवं वीडियो प्रदर्शनी, हस्तशिल्प, हाथ से तिरंगा निर्माण, राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी गतिविधियां तथा स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसी क्रम में 13 से 17 अगस्त तक सरकारी कार्यालयों, स्मारकों, प्रमुख बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों को तिरंगा थीम पर सजाया जाएगा तथा प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर 'तिरंगा कैनवास' स्थापित किए जाएंगे, जिन पर आमजन हस्ताक्षर कर राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति के संदेश अंकित कर सकेंगे।

राजस्थान/ प्रादेशिक

बांदीकुई को 5.64 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात: उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने किया शिलान्यास व लोकार्पण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान लगभग 5 करोड़ 64 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण कर उन्हें आमजन को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने बिवाई से खाटूश्यामजी रोडवेज बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उप मुख्यमंत्री ने सिकंदरा-अलवर रोड पर एक करोड़ रुपये की लागत से बांदीकुई रोडवेज बस स्टैंड के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने 30 लाख रुपये की लागत से निर्मित आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी कोलाना के नवीन भवन, 55-55 लाख रुपये की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र टीकावाली ढाणी तथा नांगल झामरवाड़ा, 76.96 लाख रुपये की लागत से स्थापित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुढ़लिया की बीपीएचयू लैब, 41-41 लाख रुपये की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र सुधासनपाड़ा, चौबड़ीवाला एवं बगथल की कोठी का लोकार्पण किया। साथ ही 55-55 लाख रुपये की लागत से उप स्वास्थ्य केंद्र भेदाड़ी गुजरान एवं सवड़ावली के निर्माण कार्यों का शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर न्यू बस स्टैंड पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बीते ढाई वर्षों में प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं, किसानों, मजदूरों एवं युवाओं के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार ने पेपर लीक माफिया के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए दोषियों को जेल भेजने का कार्य किया है तथा एक लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से निवेश को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। बांदीकुई विधायक भागचंद सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं तथा आगामी समय में भी विकास की यह गति निरंतर बनी रहेगी।

जिला स्तरीय बैठक सीएलजी बैठक आयोजित, नशे व साइबर अपराध रोकथाम पर जोर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शुक्रवार को पुलिस थाना कोतवाली परिसर में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीकानेर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश (आईपीएस) एवं जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा (आईपीएस) ने की। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर चक्रवर्ती सिंह राठौड़ तथा वृताधिकारी नगर अनुज डाल मौजूद रहे। इस अवसर पर वृत स्तर के सीएलजी सदस्य, यूथ सीएलजी, सुरक्षा सखी, पुलिस मित्र, गणमान्य नागरिक और व्यापारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक में पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय, साइबर अपराध की रोकथाम, सुचारू यातायात व्यवस्था तथा बढ़ते नशे के प्रभावी नियंत्रण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई और सुझाव आमंत्रित किए गए। महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश ने नागरिकों से अपील की कि वे नशीले पदार्थ बेचने वालों और नशा करने वालों की गुप्त सूचना पुलिस के साथ साझा करें।

निकाय चुनाव: 13 अगस्त को निकलेगी वार्डों की आरक्षण लॉटरी:14 को तय होंगे मेयर और चेयरमैन के पद

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में आगामी नगरीय निकाय (नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिका) चुनावों के लिए वार्डों की आरक्षण लॉटरी 13 अगस्त को निकाली जाएगी। यह लॉटरी सभी जिलों में जिला कलेक्टर की निगरानी (मॉनिटरिंग) में निकाली जाएगी। वहीं, निकाय प्रमुखों (मेयर, सभापति और चेयरमैन) के पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी 14 अगस्त को स्वायत्त शासन निदेशालय (DLB) में निकाली जाएगी। प्रदेश के सभी 309 नगरीय निकायों में अगले महीने चुनाव करवाए जाने की तैयारी है। OBC आयोग की रिपोर्ट सरकार को मिल चुकी है, जिसके बाद अब जल्द ही ओबीसी आरक्षण की स्थिति भी साफ हो जाएगी। राज्य में नगरीय निकाय चुनाव के लिए वार्ड आरक्षण की लॉटरी 13 अगस्त को निकाली जाएगी। यह प्रक्रिया संबंधित जिलों में जिला कलेक्टर की निगरानी में संपन्न होगी। वार्डों के आरक्षण की स्थिति स्पष्ट होने के बाद स्थानीय स्तर पर संभावित उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों की तैयारियां भी तेज होने की संभावना है। कई वार्डों में आरक्षण की स्थिति बदलने से मौजूदा पार्षदों और चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे दावेदारों के राजनीतिक समीकरण प्रभावित हो सकते हैं।

31 स्कूली बच्चों ने भरी 'फ्लाइट ऑफ फैंटेसी' की उड़ान

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राउंड टेबल इंडिया, जयपुर पिंकसिटी राउंड टेबल 171 एवं सहयोगी संस्थाओं की पहल 'फ्लाइट ऑफ फैंटेसी' के तहत जयपुर के विभिन्न सरकारी स्कूलों के 31 बच्चों ने शनिवार को पहली बार हवाई यात्रा की। बच्चों के लिए यह सिर्फ एक सफर नहीं, बल्कि उनके सपनों को नई उड़ान देने वाला यादगार और प्रेरणादायक अनुभव रहा। कार्यक्रम के तहत बच्चे जयपुर के सांगानेर एयरपोर्ट से फ्लाइट के जरिए जेवर एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से बस द्वारा उन्हें राष्ट्रपति भवन ले जाया गया, जहां बच्चों ने गाइडेड टूर के दौरान राष्ट्रपति भवन की विरासत, देश के इतिहास, लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल कीं। इसके बाद बच्चों ने इंडिया गेट और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का भ्रमण किया। यहां उन्हें देश के वीर जवानों के साहस, शौर्य और बलिदान के बारे में जानकारी दी गई।

जयपुर में पूर्व IPS की बहू बोली- मेरा पति नामर्द

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। जयपुर में एक पूर्व आईपीएस की बहू ने ससुरालवालों पर टॉर्चर करने का मामला दर्ज करवाया है। उसने आरोप लगाया कि पति के नपुंसक (नामर्द) होने की बात छुपाकर धोखे से शादी करवाई गई। जेठ के कमरे में भेजकर संबंध बनाने का दबाव बनाया गया। इसके अलावा, ससुर ने फर्जीवाड़े कर जो प्रॉपर्टी खड़ी की, उसमें भी पीड़िता के नाम से खाते खुलवा दिए। विरोध करने पर नवंबर 2023 में ससुरालवालों ने जमीन पर पटककर पीटा। फिर घर से निकाल दिया। ससुरालवालों ने अगस्त-2026 में फोन कर तलाक देने के लिए धमकाया। इसके बाद पीड़िता ने कोर्ट से आदेश करवाकर पति सहित ससुरालवालों के खिलाफ गुरुवार को मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया- जयपुर की रहने वाली 29 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया- साल 2019 में पूर्व आईपीएस अफसर के बेटे से उसकी शादी तय हुई थी। लड़के वालों ने बिना दहेज के शादी करने की सहमति दी थी। महिला ने बताया- फरवरी 2020 में शादी होने पर सुसराल आ गई।

पीड़ितों को न्याय दिलाने और प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण के लिए पीठ और बार एसोसिएशन के बीच समन्वय जरूरी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। डीआरटी बार एसोसिएशन, जयपुर की ओर से कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, जयपुर में विशेष संवाद और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डेब्ट्स रिकवरी अपीलेट ट्रिब्यूनल (डीआरएटी), दिल्ली के चेयरपर्सन डॉ. जस्टिस सुधीर कुमार जैन ने शिरकत की और अधिवक्ताओं के साथ न्यायिक एवं संस्थागत विषयों पर संवाद किया।इस अवसर पर डीआरटी बार एसोसिएशन की ओर से डॉ. जस्टिस सुधीर कुमार जैन का अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं के साथ बैंकों, वित्तीय संस्थानों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। डीआरटी जयपुर के पीठासीन अधिकारी विमल गुप्ता के कार्यों की सराहना कार्यक्रम के दौरान डीआरएटी दिल्ली के चेयरपर्सन डॉ. जस्टिस सुधीर कुमार जैन ने डीआरटी जयपुर के पीठासीन अधिकारी विमल गुप्ता द्वारा न्यायिक प्रशासन और संस्थागत कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने मामलों के प्रभावी निस्तारण, वैकल्पिक विवाद समाधान, लोक अदालतों तथा बार और अन्य हितधारकों के सहयोग से किए गए प्रयासों को सकारात्मक बताया। उपस्थित सदस्यों ने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक, प्रेरक और संस्थागत दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया।

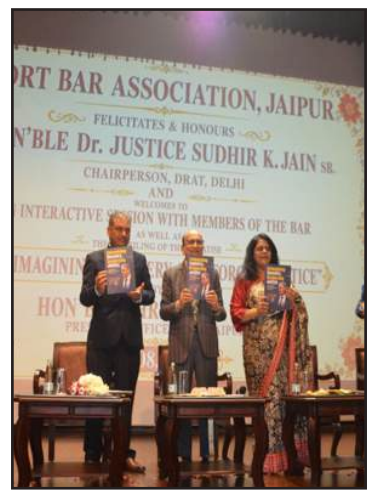

चूरू जिले में बिजली व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर, RDSS फेज-2 के नए कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। जिला मुख्यालय पर सांसद राहुल कस्वां की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट इलेक्ट्रिसिटी कमेटी (DEC) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में चल रहे रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (RDSS) के कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही RDSS फेज-2 के तहत नए विद्युत कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर भारत सरकार से स्वीकृति दिलाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। सांसद कस्वां ने कहा कि जिले के कई 33/11 केवी जीएसएस पर अधिक लोड होने के कारण विद्युत आपूर्ति में परेशानी आ रही है। इसे देखते हुए क्षमता वृद्धि की आवश्यकता वाले जीएसएस की सूची तैयार करने के साथ नए जीएसएस निर्माण के प्रस्ताव भी तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आगामी RDSS फेज-2 में इन्हें शामिल करवाया जा सके। उन्होंने बताया कि RDSS फेज-1 के तहत चूरू जिले में करीब 750 करोड़ रुपये की लागत से विद्युत इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और ढाणियों में विद्युतीकरण के कार्य चल रहे हैं। इनमें करीब 193 करोड़ रुपये की लागत से लॉस रिडक्शन के कार्य लगभग 62 प्रतिशत पूरे हो चुके हैं। वहीं करीब 254.5 करोड़ रुपये की लागत से घरेलू एवं कृषि विद्युत लाइनों के पृथक्करण का कार्य लगभग 50 प्रतिशत पूरा हो चुका है। ढाणियों में विद्युतीकरण के लिए करीब 310 करोड़ रुपये के कार्य शुरू हो चुके हैं।

सांसद ने इन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। RDSS के तहत संसदीय क्षेत्र में करीब 47 हजार ढाणियों में स्थित घरों तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य है, जिसमें चूरू जिले की लगभग 38 हजार ढाणियां शामिल हैं। कस्वां ने वंचित ढाणियों को भी इसी चरण में शामिल करने के लिए आवेदन लेकर सर्वे करवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में यह भी

बताया गया कि जिले में सात नए जीएसएस के निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं।

इनमें सरदारशहर क्षेत्र के बादड़िया, चांदवानी जोहड़ी, रोळासर, करणसर, चुवानिया ताल, मेहरासर छीना तथा रतनगढ़ क्षेत्र की ढाणी तालनिया शामिल हैं। सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि संसदीय क्षेत्र में विद्युत इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और प्रत्येक घर तक बिजली पहुंचाना प्राथमिकता है। इसके लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे।

कार्यशाला में आईटीएमएस पोर्टल के बारे में करदाताओं को दी जानकारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। वाणिज्यिक कर विभाग टोंक की ओर से आईटीएमएस (ई टैक्स ऑफिसर) पोर्टल के बारे में करदाताओं को जानकारी देने के लिए लिए शनिवार को कार्यशाला का आयोजन कार्यालय के सभागार में किया गया। आईटीएमएस वाणिज्यिक कर विभाग राजस्थान का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित स्वःकर निर्धारण का नवाचार हैं। जिसका उद्देश्य करदाता की टैक्स अनुपालना को आसान बनाना हैं। ई-टैक्स ऑफिसर मॉड्यूल द्वारा करदाताओं के रिटर्न, नोटिस, रिफण्ड, रिप्स, ई-वे बिल तथा मांग आदेश पत्र आदि सूचनाएं समग्र रूप से एक मॉड्यूल पर उपलब्ध हो सकेंगी। साथ ही इस मॉड्यूल के द्वारा करदाता की टैक्स अनुपालना रेटिंग का भी आकलन हो जायेगा। समय-समय पर अलर्ट के माध्यम से करदाताओं को सतर्क किया जायेगा। कार्यशाला में वृत्त टोंक के करदाताओं ने भाग लिया।

श्री विद्या आश्रम स्कूल ने के.एम. वाटिका में आयोजित किया पौधारोपण व जागरूकता कार्यक्रम

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। के.एम. वाटिका में श्री विद्या आश्रम स्कूल के तत्वावधान में वृक्षारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांसद मुरारी लाल मीणा एवं विधायक डी.सी. बैरवा ने सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों एवं उपस्थित नागरिकों के साथ पौधारोपण किया। मीडिया प्रभारी उमाशंकर बनियाना ने बताया कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर जागरूकता का संदेश दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति एवं पर्यावरण के प्रति उत्साह की अतिथियों ने सराहना की। सांसद ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। हम जो पौधा लगाते हैं, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, बेहतर पर्यावरण और सुरक्षित भविष्य का आधार बनता है। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण करना भी हमारी जिम्मेदारी है। बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही बच्चे भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के प्रहरी बनेंगे। मैं सभी विद्यार्थियों एवं नागरिकों से अपील करता हूं कि अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षण दें। विधायक डी.सी. बैरवा ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा संकल्प है। बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दौर में हर व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। श्री विद्या आश्रम स्कूल के विद्यार्थियों ने आज जिस उत्साह के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है, वह निश्चित रूप से प्रेरणादायी है। हमें पौधारोपण को जनआंदोलन बनाकर हर क्षेत्र को हरा-भरा बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा।" कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं नागरिकों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। एक पौधा लगाने के बाद उसके पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करना ही वास्तविक पर्यावरण सेवा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सीडब्ल्यूजी 2026 की गोल्ड मेडलिस्ट बॉक्सर अरुंधति को किया सम्मानित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को अपने कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र का दौरा किया और स्टार बॉक्सर अरुंधति चौधरी से उनके घर पर मुलाकात की। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में अरुंधति की शानदार उपलब्धि के लिए उन्हें और उनके परिवार को सम्मानित किया। अरुंधति का प्रदर्शन कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार रहा। उन्होंने 70 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। दौरे के दौरान, ओम बिरला ने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने पर अरुंधति को बधाई दी और उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार का, बल्कि पूरे कोटा-बूंदी क्षेत्र का मान बढ़ाया है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि अरुंधति की सफलता युवाओं, खासकर उन बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है जो खेल और अन्य क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं। उन्होंने युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और एथलीटों को उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक समर्थन और अवसर प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया। कॉमनवेल्थ गेम्स में सफलता के लिए बॉक्सर को बधाई देते हुए ओम बिरला ने कहा कि ऐसी उपलब्धियां भारत के युवाओं की क्षमता को दर्शाती हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि अरुंधति कड़ी मेहनत जारी रखेंगी और अपने खेल करियर में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगी। बिरला ने अरुंधति को पूरे समर्पण के साथ देश का प्रतिनिधित्व जारी रखने और भारत के साथ-साथ कोटा-बूंदी क्षेत्र का और नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अरुंधति और उनके परिवार को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि उनकी यात्रा और अधिक युवा एथलीटों को खेल अपनाने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। ओम बिरला ने कहा कि दृढ़ संकल्प और उपलब्धि की कहानियां

युवा पीढ़ी को चुनौतियों से पार पाने और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्यों को पाने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बेटियों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए समान अवसर दिए जाने चाहिए। नेताओं ने अरुंधति को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और उनके खेल करियर में निरंतर सफलता की कामना की।

प्रधानाध्यापक जाकिर हुसैन ने नातिन के जन्मदिन पर स्कूल में बांटी मिठाइयां और स्कूली गणवेश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। जन्मदिन की खुशियां जब बच्चों के साथ साझा की जाएं तो उनका आनंद और भी बढ़ जाता है।

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रोहड़ा खुर्द में प्रधानाध्यापक जाकिर हुसैन ने अपनी नातिन के जन्मदिवस के अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ खुशियां साझा करते हुए लगभग 30 बच्चों को मिठाई एवं विद्यार्थी गणवेश वितरित किए। इस अवसर पर संजीव कुमार रावत ने कहा कि बच्चों के साथ खुशी के अवसर मनाने से उनमें आत्मीयता, सामाजिक संवेदना और सहयोग की भावना मजबूत होती है। उन्होंने प्रधानाध्यापक जाकिर हुसैन की इस पहल को बच्चों के लिए प्रेरणादायी बताया।

प्रधानाध्यापक जाकिर हुसैन ने कहा कि बच्चों के बीच जन्मदिन मनाने का उद्देश्य केवल खुशियां बांटना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को यह संदेश देना भी है कि जीवन में दूसरों की खुशियों को अपनी खुशी समझना चाहिए। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अनुशासन और अच्छे आचरण को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

मनोरंजन समाचार

शाहजहांपुर: अभिनेता राजपाल यादव के खिलाफ कोठी पर कब्जे की शिकायत

फिल्म अभिनेता राजपाल यादव की कानूनी मुश्किलों के बीच अब शाहजहांपुर में उनकी एक कोठी को लेकर नया विवाद सामने आया है। विक्रम कुशवाहा नाम के एक एक शख्स ने कोठी पर कब्जा करने का आरोप राजपाल यादव पर लगाया है।विक्रम सिटी मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की जांच कराने और संपत्ति को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता का दावा है कि जिस कोठी को राजपाल यादव अपना बता रहे हैं, वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रेम कृष्ण खन्ना की संपत्ति थी और बाद में वसीयत के आधार पर वह विक्रम कुशवाहा के अधिकार में आई। विक्रम कुशवाहा ने दावा किया कि प्रेम कृष्ण खन्ना ने यह संपत्ति राधा रमण सेठ से खरीदी थी। प्रेम कृष्ण खन्ना की कोई संतान नहीं थी और उन्होंने बचपन से उनकी सेवा की थी। शिकायतकर्ता का दावा है कि प्रेम कृष्ण खन्ना ने उसे गोद लिया था, जिसका गोदनामा है। वर्ष 1982 में प्रेम कृष्ण खन्ना ने वसीयत के माध्यम से अपनी चल-अचल संपत्ति उसके नाम कर दी थी। इसी आधार पर वह खुद को संपत्ति का वारिस बता रहे हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राजपाल यादव ने दबंगई और रसूख के बल पर उस कोठी पर कब्जा कर लिया। उन्होंने प्रशासन से संपत्ति से जुड़े पुराने दस्तावेज, नगर निकाय के रिकॉर्ड और अन्य अभिलेखों की जांच कराने की मांग की है।

सामंथा रुथ प्रभु ने फैंस के साथ शेयर की मैटरनिटी मोमेंट्स की तस्वीरें, लिखा खास नोट

साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु मां बनने जा रही हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गर्भावस्था के खूबसूरत पलों को फैंस संग शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्हें मैटरनिटी से जुड़ी एक किताब पढ़ते हुए देखा गया। एक तस्वीर में, अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु सोफे पर लेटी हुई इना मे की 'गाइड टू चाइल्डबर्थ' किताब पढ़ती हुई दिखीं। उन्होंने कैप्शन लिखा, "अगस्त एनर्जी" और साथ में सफेद दिल वाले इमोजी भी लगाए। काफी समय से अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की खबरें चल रही थीं। इन पर अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत के दौरान जल्द ही मैटरनिटी ब्रेक लेने की बात कही थी। सामंथा ने पिछले साल दिसंबर में एक छोटी सी सेरेमनी में फिल्ममेकर राज निदिमोरू से शादी की थी।

अभिनेत्री इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मां इंति बंगारम' की सफलता का जश्न मना रही हैं। यह एक महिला प्रधान एक्शन-फैमिली ड्रामा है, जो बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है। फिल्म में गुलशन देवैया, दिगंत और गौतमी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी स्वर्ण (सामंथा) और उसके पति अनिरुद्ध के इर्द-गिर्द घूमती है, जो परिवार की बिना मर्जी के शादी करने के बाद पहली बार अपने पति के परिवार से मिलने गांव जाती है।

शुरुआत में परिवार में उनका कड़ा स्वागत होता है और स्वर्ण सबका दिल जीतने की कोशिश करती है, हालांकि स्वर्ण जैसी दिखती है, उसका अतीत उससे बिल्कुल अलग और एक खतरनाक, हिंसक दुनिया से जुड़ा होता है जो अचानक सामने आ जाता है। बी.वी. नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सामंथा ने 'स्वर्ण' नाम की एक महिला का किरदार निभाया है, जो अपने अतीत को छिपाकर शांत पारिवारिक जीवन जी रही है। फिल्म की कहानी राज और डीके द्वारा लिखी गई है।

मोहनलाल ने फैंस से मांगी माफी, अपने सिडनी शो मिस होने पर जताया अफसोस, वीजा बना रुकावट

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में होने वाले एक स्टेज शो के आयोजकों और उसमें हिस्सा लेने वालों से माफी मांगी। वह वीजा न मिल पाने के कारण इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए थे। सिंगापुर में रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो मैसेज में मोहनलाल ने कार्यक्रम में शामिल न हो पाने पर निराशा जताई और कहा कि वह इस स्थिति के लिए किसी को दोष नहीं देना चाहते। दरअसल, मोहनलाल के सिडनी न जा पाने के कारण यह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। हालांकि, उन्होंने अपने फैंस से एक वादा भी किया है। मोहनलाल ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'मैं आपसे सिंगापुर से बात कर रहा हूं। मैं बहुत दुखद स्थिति में हूं।'

Toxic का ट्रेलर रिलीज, यश के डबल रोल ने बढ़ाई एक्साइटमेंट, गैंगस्टर की दुनिया में दिखा खतरनाक खेल

यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसका हर सीन एक्शन और इमोशन से भरपूर है। भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली इस फिल्म को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। अब 'टॉक्सिक' के ट्रेलर ने लोगों का उत्साह और बढ़ा दिया है, जिसमें दर्शकों को डायरेक्टर गीतू मोहनदास की बनाई गई जबरदस्त गैंगस्टर की दुनिया की झलक देखने को मिलेगी। 'KGF' फ्रैंचाइजी की सफलता के बाद यश की अगली बड़ी फिल्म से लोगों को बहुत उम्मीदें हैं। ट्रेलर से पता चलता है कि फिल्म का अंदाज डार्क और स्टाइलिश है, जिसमें जबरदस्त एक्शन, रोमांस और गैंगस्टर की कहानी देखने को मिलेगी। गीतू मोहनदास की डायरेक्ट की गई इस फिल्म में एक्टर यश 'राया' और 'रूमी' के डबल रोल में नजर आएंगे। ये दोनों किरदार बिल्कुल अलग-अलग अवतारों में दिखेंगे। फिल्म का ट्रेलर इसके क्राइम ड्रामा वाले माहौल पर फोकस करता है, लेकिन दोनों किरदारों के बीच के बड़े कनेक्शन को राज ही रखता है। 'टॉक्सिक' का ट्रेलर खतरे, ताकत और हैरान करने वाले किरदारों वाली दुनिया से रूबरू कराता है। दर्शक यश को कई दमदार अवतारों में देख सकते हैं। उनका रफ लुक और जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस पूरे ट्रेलर को धमाकेदार बनाता है। टॉक्सिक ट्रेलर दर्शकों को अपराध, पावर और धोखे की एक खतरनाक दुनिया में ले जाता है। साथ ही जबरदस्त और स्टाइलिश एक्शन सीन की भी झलक देखने को मिलती है। यह ट्रेलर पहले आए 'लेडीज एंड लेडीज' इंट्रोडक्शन वीडियो को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद आया है, जिसने लोगों की एक्साइटमेंट में बढ़ा दी है। यह प्रोजेक्ट एक पुराने दौर की कहानी है और इसमें क्राइम, पावर और माफिया नेटवर्क की खतरनाक दुनिया को दिखाया गया है। मेकर्स एक स्टाइलिश एक्शन ड्रामा बनाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। साथ ही किरदारों के बीच के इमोशनल रिश्तों को भी काफी अहमियत दे रहे हैं। 'टॉक्सिक' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से लोगों के बीच यश का खूंखार रूप चर्चा में बना हुआ है, जो बहुत पसंद किया जा रहा है। अब दर्शक यश को बड़े पर्दे पर इस खूंखार रूप में तहलका मचाते देखना चाहते हैं।

गीतू मोहनदास की डायरेक्ट की गई 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं और नयनतारा, रुक्मिणी वसंत, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी और तारा सुतारिया अहम भूमिकाओं में हैं। बताया जा रहा है कि यह गैंगस्टर ड्रामा 1940 और 1970 के दशक के बीच गोवा के ड्रग व्यापार और माफिया नेटवर्क की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म 26 अगस्त को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिससे आने वाले कुछ हफ्ते इसके प्रमोशन और दर्शकों की उम्मीदों के लिहाज से बहुत अहम हो गए हैं। यश के प्रशंसकों के लिए यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि यह उन्हें एक अलग तरह के गैंगस्टर किरदार में देखने का अवसर देगी। पिछली फिल्मों में उनकी लोकप्रियता और दमदार पर्दे की उपस्थिति ने उनकी नई फिल्म के प्रति उम्मीदें काफी बढ़ा दी हैं। इसके पीछे रिश्तों, महत्वाकांक्षाओं और विश्वासघात की कई परतें होने के संकेत भी मिलते हैं।

गोविंदा संग दिखी मिस्ट्री गर्ल, मुंबई एयरपोर्ट पर साथ-साथ चलते आए नजर, पत्नी सुनीता आहूजा लगा चुकी हैं अफेयर के आरोप

90's के 'हीरो नंबर 1' गोविंदा पिछले कुछ महीनों से अपने करियर से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। भले ही गोविंदा पिछले कुछ सालों से किसी फिल्म में नजर नहीं आए हैं, लेकिन हमेशा खबरों में बने रहते हैं। कभी अपने दावों को लेकर तो कभी पत्नी सुनीता आहूजा के बयानों को लेकर। गोविंदा पर उनकी पत्नी कई दफा ये आरोप लगा चुकी हैं कि अभिनेता का एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर रहा है। यही नहीं, सुनीता ने नेटफ्लिक्स के रियेलिटी शो 'लॉकअप 2' में भी दावा किया था कि गोविंदा के कई अफेयर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा था कि कुछ भी हो जाए, वह कभी भी गोविंदा का साथ नहीं छोड़ने वालीं। इस बीच गोविंदा को एक मिस्ट्री गर्ल के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिसके बाद लोग जानना चाहते हैं कि आखिर गोविंदा के साथ नजर आई ये लड़की कौन है? हाल ही में गोविंदा को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां उनके साथ एक मिस्ट्री गर्ल भी नजर आई। ये लड़की लगातार गोविंदा के साथ चलती दिखी, जिसे देखने के बाद लोगों ने कमेंट सेक्शन में सवाल करने शुरू कर दिए कि आखिर ये लड़की कौन है? अगर आप भी चीची के साथ दिखी इस लड़की को नहीं जानते हैं तो बता दें कि ये एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार हैं, जिन्हें गोविंदा के साथ एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया है। गोविंदा और कोमल का ये वीडियो सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने शेयर किया है, जिसमें गोविंदा ब्लैक डेनिम, व्हाइट शर्ट और ब्लैक जैकेट में दिखाई दे रहे हैं और कोमल व्हाइट आउटफिट में दिखाई दे रही हैं। बता दें सुनीता आहूजा भी अपने एक इंटरव्यू के दौरान कोमल नाम की लड़की का जिक्र कर चुकी हैं। उन्होंने जनवरी में मिस मालिनी के साथ बातचीत में गोविंदा के एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर के बारे में चर्चा करते हुए सुनीता ने कहा था- 'मुझे इस नाम से नफरत है, इसे बदलो। एक लड़की है कोमल, कुछ XYZ, मुझे उससे नफरत है। अगर मुझे कोई सबूत मिल गया तो मैं गोविंदा को कभी माफ नहीं करूंगी।' सुनीता ने हाल ही में रियेलिटी शो लॉकअप 2 में दावा किया था कि गोविंदा के कई अफेयर रहे हैं। अगर कोमल रानी स्वर्णकार की बात करें तो वह ग्लैमर इंडस्ट्री में नया चेहरा हैं और उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं। कोमल, अभिनेता गोविंदा के साथ 'रूपा' से बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म में वह गोविंदा के साथ नजर आएंगी। पिछले दिनों ही गोविंदा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रूपा' का ऐलान किया था और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कोमल की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने बातचीत के दौरान ये भी कहा था कि 'मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं और उम्मीद करता हूं कि आपके (कोमल) साथ आगे भी काम करने का मौका मिले और कम से कम आधा दर्जन हिट फिल्में दूं।' गोविंदा के साथ कोमल रानी स्वर्णकार की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उनकी पहचान को लेकर चल रही चर्चाओं को अब काफी हद तक जवाब मिल गया है। दोनों के साथ नजर आने की वजह उनकी आगामी फिल्म 'रूपा' बताई जा रही है। हालांकि, केवल एयरपोर्ट पर साथ दिखाई देने के आधार पर दोनों के निजी रिश्ते को लेकर किसी तरह का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। दोनों के बीच संबंध को लेकर जो भी अटकलें सोशल मीडिया पर चल रही हैं, उनकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। कोमल रानी स्वर्णकार के लिए गोविंदा के साथ फिल्म में काम करना उनके अभिनय करियर की महत्वपूर्ण शुरुआत मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश से आने वाली कोमल को फिल्म में गोविंदा के साथ मुख्य भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म की घोषणा के दौरान गोविंदा ने जिस तरह उनकी तारीफ की, उससे भी यह संकेत मिला था कि वह इस नई अभिनेत्री को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कोमल की प्रतिभा की सराहना करते हुए भविष्य में उनके साथ और फिल्मों में काम करने की इच्छा भी जताई थी।

एयरपोर्ट पर सामने आए वीडियो में दोनों कलाकारों को सामान्य तरीके से एक साथ चलते हुए देखा गया। वीडियो सामने आने के बाद प्रशंसकों और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ लोगों ने कोमल की पहचान जानने में रुचि दिखाई, जबकि कुछ ने इसे अभिनेता की आगामी फिल्म से जोड़कर देखा। हालांकि, वीडियो में ऐसा कोई स्पष्ट संकेत नहीं है जिसके आधार पर दोनों के बीच किसी निजी संबंध की पुष्टि की जा सके।

गोविंदा की निजी जिंदगी को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार चर्चाएं होती रही हैं। उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के पुराने बयानों के कारण भी अभिनेता के निजी संबंधों को लेकर कई तरह की खबरें सामने आती रही हैं। सुनीता ने विभिन्न अवसरों पर गोविंदा के कथित संबंधों का उल्लेख किया है, लेकिन इन दावों और हालिया एयरपोर्ट वीडियो के बीच किसी प्रत्यक्ष संबंध की पुष्टि नहीं हुई है।

स्वरा भास्कर अस्पताल में हुईं भर्ती, डेंगू से हाल हुआ बेहाल, तस्वीर शेयर कर दी हेल्थ अपडेट

सलमान खान की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में अपनी भूमिका के लिए मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अस्पताल के बिस्तर से उनकी हैरान कर देने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। शनिवार, 08 अगस्त 2026 को तस्वीर शेयर करते हुए, एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ अपनी सेहत से जुड़ी जानकारी शेयर की है। इन दिनों डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं और इस बीमारी की चपेट में आने वाली लेटेस्ट सेलिब्रिटी स्वरा भास्कर भी हैं। 'रांझणा' फिल्म की एक्ट्रेस ने अपने लक्षणों या इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी है कि वह कितने समय से अस्पताल में रहेगी। स्वरा भास्कर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर हॉस्पिटल बेड से एक तस्वीर शेयर की और बताया कि अब वह किस हालत में हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर शेयर कर लिखा, 'सब कुछ कितनी तेजी से हो गया। डेंगू हो गया और हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़ा!' इस बीच 'बालिका वधू' की एक्ट्रेस अविका गौर को भी डेंगू होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके पति मिलिंद चंदवानी ने उनकी सेहत के बारे में जानकारी दी और बताया कि एक्ट्रेस बीमार होने के बावजूद काम कर रही थीं। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मैसेज शेयर करते हुए मिलिंद ने बताया कि अविका पिछले पांच दिनों से तेज बुखार से जूझ रही थीं।

'आवारापन 2' के गानों को लेकर दबाव में थे सईद कादरी, जादू बरकरार रखना था चुनौती, बोले- शर्मिंदा न होना पड़े

'आवारापन' फिल्म, जो एक कल्ट क्लासिक बन चुकी है। अब अपने सीक्वल 'आवारापन 2' के साथ लौट रही है और यह इस महीने सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम पंडित के अपने मशहूर किरदार में नजर आएंगे, जो जमीर वाला एक हिटमैन है। 'आवारापन 2' में दो पुराने गाने भी शामिल हैं, जो 'तो फिर आओ' और 'तेरा मेरा रिश्ता'। 'आवारापन' के साउंडट्रैक का हिस्सा रहे ये दोनों गाने 2007 में सुपरहिट हुए थे। अब इनके ओरिजिनल गीतकार सईद कादरी इन्हें फिर से रीक्रिएट कर रहे हैं और मिथुन इनका संगीत दे रहे हैं। इन हिट गानों को दोबारा बनाने की जिम्मेदारी के बारे में सईद कादरी ने खुलकर बात की है। 'आवारापन' के गाने लोगों के दिलों में आज भी एक खास जगह रखते हैं और सीक्वल के लिए उन्हें दोबारा बनाना गीतकार सईद कादरी के लिए आसान काम नहीं था। हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए, सईद कादरी ने कहा कि ओरिजिनल गानों की लोकप्रियता के कारण उन पर काफी दबाव था। सईद कादरी ने आगे कहा कि एक बार जब कोई आर्टिस्ट किसी खास तरह के काम के लिए जाना जाने लगता है तो उम्मीदें अपने आप बढ़ जाती हैं। उनके लिए यही उम्मीद गानों को ईमानदारी से और अच्छा बनाने के लिए होती है। उन्होंने कहाः 'हां ये जरूर महसूस हुआ कि पहले गानों को बहुत प्यार मिला है तो कम से कम इस बार सुनने वालों के सामने शर्मिंदा नहीं होना पड़े। जब आप एक ब्रांड बन जाते हैं तो लोग उम्मीद करते हैं कि आप जो भी काम करेंगे वह बेहतर होगा। तब यह आपको दिल से और ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित करता है।

बाकी बस यही चाह है कि जो मेरा सुनने वाला है जो मुझे प्यार करता है जो मेरा चाहने वाला है। उसके चेहरे पे शिकन नहीं आनी चाहिए कि भाई क्या लिखा है।' गीतकार ने पहली 'आवारापन' को मिले रिस्पॉन्स पर भी बात की। इसके म्यूजिक को तो ऑडियंस मिली, लेकिन फिल्म को आज जैसा प्यार मिलने में समय लगा। सईद क़ादरी ने माना कि शुरुआती रिस्पॉन्स से टीम निराश हुई थी। हालांकि, उन्हें अपने काम पर भरोसा था।

सार समाचार

दक्षिण कोरिया: हीटवेव के कारण बीमारों की संख्या 10 साल में 3 गुना बढ़ी

सोल। दक्षिण कोरिया में गर्मी से जुड़ी बीमारियों का असर अगस्त के दूसरे पखवाड़े तक भी लगातार बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, गर्मियों के अंतिम दौर में लू और अत्यधिक गर्मी से बीमार पड़ने वाले लोगों की संख्या पिछले एक दशक में करीब तीन गुना हो गई है। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, गृह मंत्रालय के तहत एक शोध संस्थान ने कोरिया डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन एजेंसी (केडीसीए) के डेटा का विश्लेषण किया है। इसके अनुसार, 2011-2015 के दौरान "इपचू" से अगस्त के अंत तक हर साल औसतन 215 मामले सामने आए थे। 'इपचू' पारंपरिक कोरियाई कैलेंडर में शरद ऋतु की शुरुआत का संकेत माना जाता है। इस साल इपचू 7 अगस्त को पड़ा। यह आंकड़ा 2016-2020 में बढ़कर सालाना औसत 658 और 2021-2025 में 638 हो गया। इसी अवधि में गर्मी से जुड़ी बीमारियों से होने वाली मौतों में भी इजाफा हुआ है। 2012-2015 में सालाना औसत 3.3 मौतें होती थीं, जो पिछले दशक 2016 से 2025 में बढ़कर 4 से अधिक हो गई हैं। 2024 में स्थिति खास तौर पर गंभीर रही। उस साल इपचू से अगस्त के अंत तक 1,299 लोग गर्मी से जुड़ी बीमारियों की चपेट में आए, जबकि 12 लोगों की मौत हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस साल भी अगस्त के अंत तक हीट वेव का असर जारी रहेगा, यानी गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम ही है। देश भर में दिन का अधिकतम तापमान 31-35 डिग्री सेल्सियस रहने की आशंका है। आम लोगों को पानी पीते रहने, सुबह 11 से शाम 4 बजे तक घर से बाहर न निकलने, और ढीले और सूती कपड़े पहनें।

एच-1बी प्रोफेशनल्स के लिए बढ़ सकती हैं चुनौतियां, सीनेटर ने उठाए सवाल

वाशिंगटन। अमेरिका में रिपब्लिकन सीनेटर एरिक श्मिट ने श्रम विभाग से एच-1बी और ग्रीन कार्ड के रास्ते से जुड़ी पीईआरएम प्रक्रिया में बड़े बदलाव करने को कहा है। इस प्रस्ताव का असर सबसे ज्यादा भारतीय टेक प्रोफेशनल्स पर पड़ सकता है। सीनेटर एरिक श्मिट ने कार्यवाहक श्रम सचिव कीथ सॉन्डरलिंग को पत्र लिखकर पीईआरएम यानी प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक समीक्षा प्रबंधन प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की मांग की है।

नियोक्ता आमतौर पर पीईआरएम को ही किसी विदेशी कर्मचारी को अमेरिका में स्थायी नौकरी के लिए ग्रीन कार्ड दिलाने के पहले चरण के रूप में इस्तेमाल करते हैं। एरिक श्मिट ने लिखा, "पीईआरएम और एच-1बी प्रोग्राम के दुरुपयोग से कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख लेती हैं। विभाग को इस दुरुपयोग को रोकना चाहिए और नियमों का असली मकसद बहाल करना चाहिए।" पेशेवर पदों के लिए ऑनलाइन विज्ञापन जरूरी नहीं है।

बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बढ़ा: मरने वालों की संख्या 59 हुई, मामले 18,000 के करीब

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक 59 लोगों की मौत हो गई है जबकि इस साल अब तक 17,880 मामले सामने आए हैं। स्थानीय मीडिया ने स्वास्थ्य महानिदेशालय यानी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के हवाले से इसकी जानकारी दी। डीजीएचएस के अनुसार, ढाका डिवीजन इससे सबसे ज्यादा पीड़ित क्षेत्र है। कुल 6,871 दर्ज मामले रिपोर्ट हुए जिसमें से 4,404 मामले तो शहर के ही थे। 3,647 केस के साथ, बारिशाल डिवीजन दूसरे नंबर पर रहा, इसके बाद चटगांव में 3,082 और खुलना में 2,272 केस दर्ज किए गए। ढाका डिवीजन में मृतकों की संख्या भी सबसे अधिक है। सूची में ये सबसे ऊपर है, कुल 26 में से 25 ढाका में हुईं। बांग्लादेश के जाने-माने अखबार 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के मुताबिक, खुलना में 12 लोगों की मौत हुई, इसके बाद चटगांव और मैमनसिंह में क्रमशः सात और छह लोगों ने बीमारी से जान गंवाई। डेंगू, मच्छर से होने वाली वायरल बीमारी है, जो बांग्लादेश में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का रूप लेती जा रही है। यह मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलने वाली बीमारी है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ बांग्लादेश में जूलॉजी डिपार्टमेंट (प्राणीशास्त्र विभाग) में एसोसिएट प्रोफेसर, जीएम सैफुर रहमान ने कहा कि नवीनतम आंकड़े ढाका के उच्च जनसंख्या घनत्व, लगातार एडीज मच्छर प्रजनन और अपर्याप्त वेक्टर नियंत्रण उपायों के संयोजन को दर्शाते हैं। यही कारण है कि ढाका एक बड़ा डेंगू हॉटस्पॉट बन गया है।

क्या रूस NATO पर हमला करने वाला है? कीव पर फिर मिसाइलों की बौछार, काला सागर में भी अटैक

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग अब एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। पिछले कुछ दिनों में रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई इलाकों में बड़े हवाई हमले किए हैं। रूसी हमलों में बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और दूसरी मिसाइल प्रणालियों के इस्तेमाल का दावा किया गया है। वहीं काला सागर में भी यूक्रेनी जहाजों को निशाना बनाए जाने की खबर है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की मदद की तलाश में सर्बिया पहुंचे हैं। दूसरी तरफ NATO के पूर्वी हिस्से में भी सैन्य तैयारियां तेज होती दिख रही हैं। रोमानिया ने सीमा के पास ड्रोन से निपटने के लिए F-35 फाइटर जेट की ड्रिल की है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या रूस-यूक्रेन युद्ध का असर अब NATO की जमीन तक पहुंच सकता है? रिपोर्ट के मुताबिक, 7 और 8 अगस्त की दरम्यानी रात रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर 6 इस्कंदर-M बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। पहली मिसाइल रात करीब पौने एक बजे कीव में गिरी। इसके बाद अगले करीब 15 मिनट में 5 और मिसाइलें राजधानी की तरफ दागे जाने का दावा किया गया। हमलों के बाद कीव के कई इलाकों में आग लग गई। कई मकानों के जलने और बड़े पैमाने पर नुकसान की तस्वीरें सामने आईं। ब्रोवरी इलाके में एक बच्चे और उसके दादा-दादी के मारे जाने की भी खबर है। कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं और राहत-बचाव दल उन्हें तलाश रहे हैं। एक मिसाइल उस फैक्ट्री के पास गिरी, जहां कर्मचारी हमले के दौरान भूमिगत बंकर में छिपे हुए थे। कीव के एक वेयरहाउस कर्मचारी मिखाइल हुकोव ने बताया कि एयर रेड सायरन बजते ही उन्हें बैलिस्टिक हमले का खतरा समझ आ गया था। उन्होंने तुरंत कर्मचारियों के ग्रुप में संदेश भेजकर सभी को शेल्टर में जाने को कहा। हुकोव के मुताबिक, कई कर्मचारी अपने बैग लेने के लिए वापस जाना चाहते थे, लेकिन उन्हें रोक दिया गया। इसके बाद सभी लोग शेल्टर में चले गए। कुछ ही देर बाद इतने तेज धमाके हुए कि ऐसा लगा जैसे विस्फोट बिल्कुल वेयरहाउस के पास ही हुआ हो।

जिनेवा के यूएन ऑफिस में भारत के दिए 5 मोर पहुंचे, जानें क्या है इस गिफ्ट को देने का मकसद

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय जिनेवा में भारत की ओर से उपहार में दिए गए 5 नए मोर पहुंचे हैं। इन मोरों को स्विट्जरलैंड स्थित 'पैलेस ऑफ नेशंस' के परिसर में रखा गया है। भारत की ओर से यह गिफ्ट संयुक्त राष्ट्र और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों और एक पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाता है। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने इसे भारत और संयुक्त राष्ट्र की साझेदारी का एक नया आयाम बताया है। मिशन ने X पर लिखा, 'साझेदारी का एक और आयाम। भारत ने UN जिनेवा को 5 युवा मोर उपहार में दिए हैं। राष्ट्रीय पक्षी होने के कारण मोर हर भारतीय के दिल में खास जगह रखते हैं।' संयुक्त राष्ट्र जिनेवा ने भी भारत के इस गिफ्ट का स्वागत किया। UN जिनेवा ने X पर लिखा, 'पांडा डिप्लोमेसी को भूल जाइए। 5 युवा मोर UN जिनेवा पहुंच गए हैं। ये भारत की ओर से दिया गया गिफ्ट हैं और उस परंपरा को जारी रखते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र से भी पुरानी है।

जिनेवा के इन सबसे नए और सबसे शानदार 'राजनयिकों' से मिलिए।' बता दें कि चीन अपनी पांडा डिप्लोमेसी के लिए जाना जाता है। वहीं, इन 5 मोरों की बात करें तो इनमें 4 नीले मोर और एक दुर्लभ सफेद नर मोर है। इन्हें लाने का मुख्य उद्देश्य UN जिनेवा परिसर में मोरों की संख्या को फिर से बढ़ाना है। यहां मोरों की आबादी घटकर केवल एक पक्षी तक रह गई थी। नए मेहमानों को फिलहाल एरियाना पार्क में बनाए गए एक अस्थायी और बड़े पक्षीघर में रखा गया है। यहां वे अपने नए वातावरण के अभ्यस्त होंगे। करीब 3 महीने बाद उन्हें परिसर में स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति दी जाएगी। 1981 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जिनेवा को मोरों की एक जोड़ी भेजी थी।

यूक्रेन संघर्ष के बीच न्यूजीलैंड ने रूस समर्थक 33 लोगों और कंपनियों पर लगाए प्रतिबंध

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने शनिवार को यूक्रेन के साथ रूस के संघर्ष का समर्थन करने वालों के खिलाफ नए दौर के प्रतिबंधों की घोषणा की। विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स द्वारा बताए गए सैंक्शन पैकेज में 33 लोगों और कंपनियों को टारगेट किया गया था। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड ने मार्च 2022 में रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला अधिनियम (रशिया सैंक्शन एक्ट) लागू किया था और तब से अब तक 36 राउंड के प्रतिबंध में 2,000 से ज्यादा लोगों, कंपनियों और जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की है। एक अलग डेवलपमेंट में अमेरिकी सीनेट ने एक बड़ा रूस सैंक्शन बिल पास किया है जिसमें भारत का नाम नहीं है, लेकिन यह उसे और रूसी ऊर्जा के दूसरे बड़े खरीदारों को 100 फीसदी तक के टैरिफ के दायरे में ला सकता है। सीनेट से 86-11 वोट से पास हुआ लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 अब हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स में जाएगा, जहां वरिष्ठ डेमोक्रेट्स ने इसके टैरिफ प्रोविजन पर ऐतराज जताया है। इस कानून के तहत सरकार को व्यापारिक डेटा का इस्तेमाल करके देशों की पहचान करनी होगी, न कि कानून में उनका नाम बताना होगा। इसमें रूसी क्रूड ऑयल के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर, रूसी प्रकृतिक गैस के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर और रूसी तेल प्रतिबंध से बचने में मदद करने वाले पांच बड़े देश शामिल हैं। ये फैसले सबसे हाल के 12 महीने के समय के आधार पर होंगे और हर 180 दिन में उनकी समीक्षा की जाएगी। यह बिल रूसी अधिकारियों, अमीर लोगों, उनके परिवार के सदस्यों, बैंकों और फाइनेंशियल संस्थानों पर प्राइमरी और सेकेंडरी प्रतिबंध लगाएगा। यह यूक्रेन में मॉस्को की लड़ाई का समर्थन करने वाले विदेशी लोगों और तेल ट्रांसपोर्ट करने और प्रतिबंध से बचने के लिए इस्तेमाल होने वाले रूस के तथाकथित शैडो फ्लीट को भी टारगेट करता है। इस कानून का नाम रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के नाम पर रखा गया, जिन्होंने 11 जुलाई को अपनी अचानक मौत से पहले व्हाइट हाउस के साथ एक समझौते पर बातचीत की थी।

यमन ने यूएनएससी के बयान का किया स्वागत, कहा- 'यही सही रास्ता'

सना। यमन के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के उस बयान का स्वागत किया है, जिसमें सना और होदेइदाह हवाईअड्डों पर ईरानी विमानों की कथित अनधिकृत लैंडिंग को यमन की "संप्रभुता का उल्लंघन" बताया है। सुरक्षा परिषद ने हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब और वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमलों की भी निंदा की है। सरकारी समाचार एजेंसी सना के हवाले से जारी बयान में यमनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा परिषद की ओर से यमन की संप्रभुता पर जोर दिया जाना सरकार के उस रुख को मजबूत करता है कि राज्य की संस्थाओं को बहाल करना और देश के सभी हिस्सों में उनका अधिकार स्थापित करना ही यमन में सुरक्षा और स्थिरता हासिल करने का 'सही रास्ता' है। मंत्रालय ने कहा कि हूती विद्रोहियों के लगातार हमले और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए उनके खतरे को देखते हुए सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों को प्रभावी ढंग से लागू करना जरूरी है। बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से यमन की सरकारी संस्थाओं को मजबूत करने और उनकी क्षमताओं को बढ़ाने की अपील की गई, ताकि वे देश की संप्रभुता की रक्षा करने के साथ-साथ उसके तटों, क्षेत्रीय जलक्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। यमन में लंबे समय से जारी संघर्ष का असर सिर्फ देश की आंतरिक स्थिति तक सीमित नहीं है। लाल सागर और आसपास के समुद्री मार्गों में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों ने क्षेत्रीय सुरक्षा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए भी गंभीर चुनौती पैदा की है। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई थी।

इस्लामाबाद की मस्जिद में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ कैडर की संदिग्ध मौत, पढ़ने पहुंचा था नमाज

पाकिस्तान से बड़ी खबर आई है। इस्लामाबाद की मस्जिद में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ कैडर की संदिग्ध मौत हो गई है। लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ कैडर कारी सईद अब्दुल अजीज की इस्लामाबाद की क्यूबा मस्जिद में मौत होने की खबर है। बताया जा रहा है कि कारी सईद ने एक अज्ञात जगह पर खाना खाया था और इसके बाद नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद पहुंचा था। बता दें कि मस्जिद के गेट पर पहुंचते ही कारी सईद अब्दुल अजीज अचानक गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। कारी सईद, लश्कर-ए-तैयबा में उस विभाग की जिम्मेदारी संभालता था, जो जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ों में मारे गए लश्कर आतंकियों के परिवारों से संपर्क और उनकी मदद का काम देखता था। हालांकि, कारी सईद अब्दुल अजीज की मौत की वजह अभी तक साफ नहीं है। उसकी मौत की वजह से लश्कर के आतंकियों में हड़कंप है। इससे पहले, हाल ही में लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर का बड़ा कबूलनामा सामने आया था। कमांडर ने कहा कि 3-4 साल में "अज्ञात गनमैन" ने 30 से ज्यादा आतंकवादी मार दिए हैं। वायरल वीडियो में लश्कर-ए-तैयबा कमांडर हनीफ यह कहते हुए सुना गया था कि भारत की खुफिया एजेंसियों ने आजाद कश्मीर में भी उन्हें चैन से नहीं रहने दिया। उन्होंने अपने एजेंडे के तहत उनको मार डाला। यह कोई पहला केस नहीं है। असल में, पिछले 3 से 4 साल में ऐसी 30 से ज्यादा घटनाएं हो चुकी हैं। हनीफ ने आगे कहा कि कोई पेशावर में मारा गया, कोई रावलपिंडी में, कोई कराची में, कोई मुजफ्फराबाद में और कोई रावलकोट में। उनका कसूर क्या था? उनका एकमात्र दोष यह था कि वे अल्लाह में यकीन करते थे। लश्कर-ए-तैयबा, पाकिस्तान का प्रतिबंधित इस्लामी आतंकी संगठन है। लश्कर की स्थापना 1980 के दशक के आखिर में हाफिज मुहम्मद सईद और अब्दुल्ला आजम ने की थी। इसका मकसद भारत के जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाना है। लश्कर, भारत में हुए कई बड़े आतंकी हमलों में शामिल रहा है। कारी सईद अब्दुल अजीज की अचानक मौत ने पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े नेटवर्क को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, वह मस्जिद पहुंचने से पहले एक अज्ञात स्थान पर खाना खाकर आया था। क्यूबा मस्जिद के प्रवेश द्वार पर पहुंचने के बाद वह अचानक गिर पड़ा। वहां मौजूद लोगों ने उसे संभालने और प्राथमिक सहायता देने की कोशिश की, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

'अगर मुस्लिम देश एक साथ खड़े हो जाएं तो...', मक्का डिफेंस एग्रीमेंट पर अराग़ची का बड़ा बयान

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराग़ची ने मुस्लिम देशों से एकजुट होने और अपनी सुरक्षा के लिए विदेशी ताकतों पर निर्भरता कम करने की अपील की है। उन्होंने ईरान की सेना की ताकत और उसकी तैयारियों की तारीफ करते हुए कहा कि अगर मुस्लिम देश साथ खड़े हों, तो बाहरी ताकतों की किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है। अराग़ची का यह बयान ऐसे समय आया है, जब सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने मक्का में एक नए त्रिपक्षीय संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सैन्य सहयोग मजबूत करने की दिशा में इस समझौते को 'मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट' नाम दिया गया है। ईरानी विदेश मंत्री ने X पर ईरान की सशस्त्र सेनाओं की क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि ईरान की शक्तिशाली सशस्त्र सेनाओं ने दुनिया की सबसे महंगी सैन्य शक्ति के सामने अपनी तैयारी, क्षमता और ताकत का प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही अराग़ची ने मुस्लिम देशों के बीच एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'जब मुस्लिम देश एक साथ खड़े होते हैं, तो हम बाहरी दुर्भावनापूर्ण ताकतों की ओर से आने वाली हर चुनौती का सीधे सामना कर सकते हैं। अब समय आ गया है कि हम केवल खुद पर भरोसा करें और सच्ची भाईचारे की भावना को अपनाएं।' अराग़ची का बयान सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच हुए नए रक्षा समझौते के बाद आया है। मक्का में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बैठक के दौरान इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस कॉम्प्लेक्स के निर्माण पर कोर्ट की रोक पर जताया ऐतराज, सुप्रीम कोर्ट का करेंगे रुख

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बॉलरूम निर्माण मामले में अपीलीय अदालत के फैसले पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि सैन्य और सुरक्षा परिसर के निर्माण संबंधित मामले में एक अपीलीय अदालत के फैसले के बाद उनकी सरकार तुरंत अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी। इस फैसले में व्हाइट हाउस में एक सैन्य और सुरक्षा परिसर के निर्माण को जारी रखने के खिलाफ फैसला सुनाया गया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि दो अपीलीय जजों ने उस बेहद जरूरी सैन्य केंद्र के खिलाफ वोट किया है जिसकी वाशिंगटन और पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, "फैसले पर रोक लगा दी गई है और यह कुछ समय तक लागू नहीं होगा। हम तुरंत अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे।" राष्ट्रपति ने जज नेओमी राव के असहमति वाले मत का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने तर्क दिया कि निचली अदालत के पास इस मामले में अधिकार क्षेत्र नहीं है क्योंकि वादी के पास निर्माण कार्य रोकने का कानूनी अधिकार नहीं था। ट्रंप की तरफ से साझा किए गए कुछ हिस्सों के अनुसार राव ने कहा, "यह अपनी समझ का खुला गलत इस्तेमाल था। शुरुआत में, जिला कोर्ट का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं था क्योंकि ट्रस्ट के पास व्हाइट हाउस में निर्माण रोकने का कोई अधिकार नहीं है।" उन्होंने जिला अदालत पर आरोप लगाया कि उसने राष्ट्रपति के आवास और कार्यालय में खुले निर्माण स्थल से जुड़े सुरक्षा जोखिमों को नजरअंदाज कर, 'एक राहगीर की सौंदर्य संबंधी नाराजगी' को प्राथमिकता दी। ट्रंप ने इस फैसले को राजनीतिक रूप से प्रेरित और गैरकानूनी बताया।

खेल समाचार

फर्नांडीज ने मीरा आंद्रीवा को हराकर बनाई अंतिम 16 में जगह, ओसाका से होगा मुकाबला

मॉन्ट्रियल। यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वालीं कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लेला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को हराया। मीरा आंद्रीवा इस साल फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरोस) की चैंपियन रही हैं। इस जीत के साथ फर्नांडीज ने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार 7 हार का सिलसिला भी खत्म कर दिया। फर्नांडीज ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए हार का सिलसिला तोड़ा और अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की। इस जीत के साथ ही 30वीं रैंकिंग वाली फर्नांडीज अब राउंड ऑफ 16 में पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से भिड़ेंगी। ओसाका (11वीं वरीयता प्राप्त) ने बेल्जियम की 20वीं सीड खिलाड़ी एलिस मर्टेंस को 6-1, 6-4 से हराया था। कनाडा की स्टार खिलाड़ी फर्नांडीज ने पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आंद्रीवा को 1 घंटे 21 मिनट में 6-1, 6-4 से हराया। इसके साथ ही वह न केवल टोरंटो में राउंड ऑफ 16 में पहुंचीं (ऐसा ही नतीजा उन्होंने 2023 में मॉन्ट्रियल में हासिल किया था), बल्कि एक साल से भी ज्यादा समय में टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ अपनी पहली जीत भी दर्ज की।

'आप पर बहुत गर्व है', नीरज चोपड़ा ने अंडर-20 वर्ल्ड्स में रजत पदक जीतने वाले आशीष यादव को दी बधाई

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने पर युवा जेवलिन थ्रोअर आशीष यादव को बधाई दी है। चोपड़ा ने आशीष की उपलब्धि को बेहद खास बताया है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जेवलिन में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, "भारतीय एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला करते और जीतते देखना हमेशा एक बहुत अच्छा एहसास होता है। एक जेवलिन थ्रोअर के तौर पर यह मेरे लिए थोड़ा और खास है। अंडर-20 में आपके रजत पदक पर मुझे आप पर बहुत गर्व है, आशीष। यह तो बस शुरुआत है।" आशीष ने पुरुषों के जेवलिन फाइनल में 74.09 मीटर के श्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के हेमंस ने 80.50 मीटर का विनिंग थ्रो करके स्वर्ण पदक विजेता रहे, जबकि डोमिनिका के जेम्स 73.89 मीटर के साथ तीसरे नंबर पर रहे। भारत के टी. धरणीधरन 72.35 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे। आशीष का रजत पदक जेवलिन की दुनिया में भारत के बढ़ते दबदबे का प्रतीक है। जेवलिन देश में सबसे तेजी उभरता हुआ खेल है। नीरज चोपड़ा के अलावा भी कई युवा थ्रोअर इस खेल में आगे आ रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीत रहे हैं। हालांकि, जेवलिन को देश में लोकप्रिय बनाने का श्रेय निश्चित रूप से नीरज चोपड़ा को जाता है।

कोरिया मास्टर्स सुपर 300: अश्मिता चालिहा ने बनाई फाइनल में जगह

नई दिल्ली। भारत की अश्मिता चालिहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में अश्मिता ने हमवतन खिलाड़ी रक्षिता रामराज को शिकस्त दी। भारत की दोनों खिलाडियों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। सेमीफाइनल मुकाबले का पहला ही गेम रोमांच से भरपूर रहा।

हालांकि, कड़े संघर्ष के बाद अश्मिता पहले गेम को 21-13 से अपने नाम करने में सफल रहीं। हालांकि, दूसरे गेम में रक्षिता ने जोरदार वापसी की और गेम को 21-16 से जीतते को स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, तीसरे गेम में अश्मिता ने रक्षिता को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया और उन्होंने गेम को 21-13 से अपने नाम करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। फाइनल मुकाबले में अश्मिता चालिहा की भिड़ंत अब चीन की हान कियानक्सी से होगी। अनुभवी अश्मिता ने शुक्रवार को जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

दीपा कर्माकर- प्रोडुनोवा वॉल्ट की महारथी और ओलंपिक फाइनल में पहुंची देश की पहली जिम्नास्ट

नई दिल्ली। भारतीय जिम्नास्ट की दुनिया में दीपा कर्माकर का नाम प्रतिष्ठा के साथ लिया जाता है। दीपा दुनिया की पांच महिलाओं में से एक हैं जिन्होंने प्रोडुनोवा वॉल्ट में महारत हासिल की है। दीपा ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली देश की पहली जिम्नास्ट हैं। कलात्मक जिम्नास्ट के लिए मशहूर दीपा कर्माकर का जन्म 9 अगस्त 1993 को अगरतला, त्रिपुरा में हुआ था। उन्होंने सिर्फ 6 साल की उम्र में जिम्नास्टिक का अभ्यास शुरू कर दिया था। उन्हें सोमा नंदी और बिश्वेश्वर नंदी ने कोचिंग दी है। जब उन्होंने जिम्नास्टिक शुरू किया, तो कर्माकर के पैर चपटे थे, जो एक जिम्नास्ट में एक अनचाही शारीरिक खासियत है क्योंकि यह उनके प्रदर्शन को प्रभावित करता है। बहुत ज्यादा ट्रेनिंग से, वह अपने पैर में आर्च बना पाईं। 2008 में, उन्होंने जलपाईगुड़ी में जूनियर नेशनल्स जीता था। इस सफलता ने जिम्नास्टिक की दुनिया में उन्हें शुरुआती पहचान दी। दीपा कर्माकर ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में सबका ध्यान खींचा था। दीपा ने कांस्य पदक जीता था और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट बनीं। इसके बाद उन्होंने एशियन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और 2015 वर्ल्ड चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया। ऐसा करने वाली पहली भारतीय एथलीट थीं। कर्माकर की जिंदगी का सबसे बड़ा पल तब आया, जब उन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। वह ओलंपिक में क्वालीफाई करने वाली पहली महिला जिम्नास्ट और फाइनल में क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय जिम्नास्ट थीं। वह रियो में 0.15 अंकों से पदक जीतने से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। वह 52 साल पहले, 1964 समर ओलंपिक्स के बाद से, ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली किसी भी डिसिप्लिन में पहली भारतीय जिम्नास्ट थीं। जुलाई 2018 में तुर्की के मर्सिन में एफआईजी आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स वर्ल्ड चैलेंज कप के वॉल्ट इवेंट में दीपा ने पहला स्थान हासिल किया। किसी अंतरराष्ट्रीय इवेंट में स्वर्ण जीतने वाली वह पहली भारतीय जिम्नास्ट बनीं। उन्होंने 2024 में जिम्नास्टिक से संन्यास ले लिया था। भारत सरकार ने दीपा कर्माकर को 2015 में अर्जुन पुरस्कार, 2016 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, और 2017 में पद्मश्री से सम्मानित किया था। दीपा कर्माकर का खेल सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी खिलाड़ी की सफलता केवल प्राकृतिक प्रतिभा पर निर्भर नहीं करती, बल्कि लगातार मेहनत, अनुशासन और कठिन प्रशिक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। छोटी उम्र में जिम्नास्टिक शुरू करने के बाद उन्होंने घंटों अभ्यास किया और धीरे-धीरे अपनी तकनीक तथा शारीरिक क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप विकसित किया। उनके शुरुआती वर्षों में सामने आई शारीरिक चुनौती को भी उन्होंने अपनी मेहनत के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया। दीपा की सबसे बड़ी पहचान उनके कठिन और जोखिम भरे प्रोडुनोवा वॉल्ट से बनी। इस वॉल्ट में बेहद तेज गति, शक्ति, संतुलन और हवा में शरीर पर नियंत्रण की आवश्यकता होती है। इसकी कठिनाई इतनी अधिक है कि इसे जिम्नास्टिक की सबसे चुनौतीपूर्ण वॉल्ट तकनीकों में गिना जाता है। रियो ओलंपिक में उनके इसी प्रयास ने पूरी दुनिया का ध्यान भारतीय जिम्नास्टिक की ओर खींचा था। रियो ओलंपिक का फाइनल दीपा के करियर का ऐसा क्षण रहा, जिसने उन्हें करोड़ों भारतीयों के बीच लोकप्रिय बना दिया।

मुझे लगता है कि मैं टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छी भूमिका निभा सकता हूं: ट्रेविस हेड

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हेड का कहना है कि वह टेस्ट क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज आगे भी खेलना जारी रखना चाहते हैं। हेड ने कहा कि वह अपने खेल को लेकर काफी सहज हैं और वह ओपनर के तौर पर अहम भूमिका निभा सकते हैं। शुक्रवार को हेड को ऑस्ट्रेलिया के 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के तौर पर प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर मेडल से सम्मानित किया गया। हेड ऑस्ट्रेलिया की ओर से व्हाइट-बॉल क्रिकेट में लगातार सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाते हैं।

हालांकि, हेड को इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज से पहले सिर्फ भारत और श्रीलंका में खास परिस्थितियों में ही टेस्ट में ओपनिंग करते देखा गया था। इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में उस्मान ख्वाजा के चोटिल होने के बाद ट्रेविस हेड को ओपनिंग करने का मौका मिला था। हेड इस मौके को दोनों हाथों से भुनाने में सफल भी रहे। उन्होंने पर्थ में 83 गेंदों पर शानदार 123 रन बनाए जिससे ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर दो दिन में जीत हासिल करने में मदद मिली। इसके बाद उन्होंने एडिलेड और सिडनी में भी शतक लगाए और एशेज सीरीज का समापन 629 रनों के साथ किया। उनके प्रदर्शन का असर अब उस सीरीज से कहीं आगे तक दिख रहा है। हेड का ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट ओपनर के तौर पर अपनी जगह बनाए रखना तय लग रहा है, क्योंकि टीम का आने वाला शेड्यूल काफी व्यस्त है, जिसमें टीम 20 टेस्ट खेल सकती है, या अगर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचती है तो 21 टेस्ट खेल सकती है। टॉप ऑर्डर में अपनी भूमिका पर बात करते हुए हेड ने माना कि उनका फर्स्ट-क्लास करियर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में ओपनिंग बल्लेबाज की पारंपरिक छवि के अनुरूप नहीं है। हेड ने 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' से कहा, "मुझे सटीक आंकड़े तो नहीं पता, लेकिन मैंने शायद 170 या 180 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनमें से शायद दस में ही मैंने ओपनिंग की होगी। मुझे लगता है कि इससे पता चलता है कि मैं ओपनिंग बल्लेबाज नहीं हूं, यानी उस तरह का असली सलामी बल्लेबाज नहीं, जिसके लिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जाना जाता है। ऐसे खिलाड़ी जो शुरुआती स्तर से ही ओपनिंग करते हुए आए हों, स्टेट क्रिकेट में ओपनिंग की हो और टेस्ट क्रिकेट में भी ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर खेले हों।"

वास्को द गामा क्लब ने अर्जेंटीना के फॉरवर्ड खिलाड़ी कोलिडियो को किया साइन

रियो डी जनेरियो। ब्राजील के फुटबॉल क्लब वास्को द गामा ने अर्जेंटीना के फॉरवर्ड खिलाड़ी फकुंडो कोलिडियो को साइन करने के लिए रिवर प्लेट क्लब के साथ समझौता किया है। रियो डी जनेरियो में मेडिकल टेस्ट के बाद 26 वर्षीय खिलाड़ी ने दिसंबर 2029 तक के लिए क्लब संग कॉन्ट्रैक्ट करने पर सहमति जताई है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, वास्को द गामा ने अपने सोशल मीडिया पर कोलिडियो की क्लब की काली और सफेद शर्ट पहने हुए एक फोटो के साथ इस खबर की पुष्टि की। स्थानीय मीडिया ने बताया कि वास्को इस अटैकर के इकोनॉमिक राइट्स (आर्थिक अधिकारों) के 50 प्रतिशत हिस्से के लिए 4.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करेगा। बाकी 50 प्रतिशत खरीदने का विकल्प भी उसके पास होगा। 2023 में इंटर मिलान से आने के बाद कोलिडियो ने रिवर प्लेट क्लब के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 86 मैच खेले। यह कदम वास्को क्लब द्वारा पेड्रो इमैनुएल को अपना नया मैनेजर नियुक्त करने के कुछ हफ्ते बाद उठाया गया है। 51 वर्षीय इमैनुएल ने दिसंबर 2027 तक चलने वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और उनके साथ सहायक कोच रुई गोम्स और पेड्रो कोरिया भी शामिल होंगे।वास्को द गामा क्लब ने एक बयान में कहा, "कोच शनिवार से रोजमर्रा की गतिविधियों में शामिल होने के लिए काम शुरू करेंगे और सोमवार को अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।" इमैनुएल ने रेनाटो गौचो की जगह ली है, जिन्हें खराब नतीजों के कारण पिछले महीने क्लब ने पद से हटा दिया गया था। इमैनुएल कोयम्ब्रा, एस्टोरिल, अल्मेरिया, अल-ऐन और अल-नस्र जैसे फुटबॉल क्लबों की अगुवाई कर चुके हैं। चार बार चैंपियन रह चुका वास्को द गामा क्लब रेलीगेशन (निचली लीग में जाने) से बचने की लड़ाई लड़ रहा है; उसने सीजन के पहले 18 मैचों में सिर्फ 20 अंक हासिल किए हैं। क्लब डी रेगाटास वास्को द गामा जो शुरू में एक रोइंग क्लब था और बाद में एक मल्टी-स्पोर्ट क्लब बन गया, अब मुख्य रूप से अपनी पुरुष फुटबॉल टीम के लिए जाना जाता है।

फोनसेका ने कटाया अंतिम-16 का टिकट, कैस्पर रूड को दी शिकस्त

मॉन्ट्रियल। ब्राजील के जोआओ फोनसेका ने कैनेडियन ओपन में कैस्पर रूड के खिलाफ धीमी शुरुआत के बाद समय रहते वापसी करते हुए मुकाबले को 7-6(6), 6-3 से अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही वह एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में तीसरी बार अंतिम 16 में पहुंच गए हैं।

एटीपी टूर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, ब्राजील का यह खिलाड़ी अब चौथे राउंड में 19 साल के राफेल जोडर के साथ शामिल हो गए हैं। 2018 में डेनिस शापोवालोव और स्टेफानोस सितसिपास के बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब दो किशोर खिलाड़ी इस इवेंट के अंतिम 16 में पहुंचे हैं। फोनसेका का अगला मुकाबला पांचवीं वरीयता प्राप्त और मौजूदा चैंपियन बेन शेल्टन से होगा। यह म्यूनिख क्वार्टर फाइनल का रीमैच होगा, जिसे इस सीजन की शुरुआत में अमेरिकी खिलाड़ी ने जीता था। यह दो किशोर खिलाड़ी के बीच एक दिलचस्प मुकाबला होगा; इनमें से किसी ने भी इस हफ्ते अपनी दो जीतों में एक भी सेट नहीं गंवाया है। एटीपी रिपोर्ट के अनुसार, अपने शुरुआती तीन सर्विस गेम में सात ब्रेक प्वाइंट देने के बाद, फोनसेका ने सेंटर कोर्ट पर एक ब्रेक गंवा दिया और 2-4 से पिछड़ गए।

'यह पदक मेरे लिए बहुत मायने रखता है,' एरोबिक जिम्नास्टिक में पहला एशियन स्वर्ण जीतने के बाद बोलीं अरिहा

मनीला। इंडियन एरोबिक जिम्नास्ट अरिहा पंगमबम ने कहा कि एशियन एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में उनका ऐतिहासिक स्वर्ण पदक पिछले संस्करण में पदक से चूकने के बाद खुद में सुधार करने के पक्के इरादे का नतीजा था। अरिहा ने कहा कि उन्होंने प्रतियोगिता की तैयारी के लिए हर दिन लगभग छह घंटे ट्रेनिंग की। अरिहा ने एशियन चैंपियनशिप में सीनियर महिला व्यक्तिगत श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने फिलीपींस में हुए फाइनल में 19.100 पॉइंट्स स्कोर किया, जिसमें आर्टिस्ट्री में 8.650, एग्जीक्यूशन में 7.600 और डिफिकल्टी में 2.850 पॉइंट्स शामिल थे। अरिहा ने आईएएनएस को बताया, "उस पल मैं पूरी तरह से अभिभूत थी। यह पदक मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि मैं सच में सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि देश के लिए पदक जीतना चाहती थी।" उन्होंने कहा, "पिछली एशियन चैंपियनशिप में, मैं कुछ ही पॉइंट्स से चौथे स्थान पर थी। मुझे बहुत पछतावा हुआ। इसलिए, मैंने हमेशा सोचा कि अगली बार मुझे पदक जीतना है। पदक जीतने के बजाय, एक परफॉर्मर होने के नाते मैं हमेशा चाहती थी कि लोग, चाहे जज हों या ऑडियंस, मेरे प्रदर्शन से समझें कि मैं क्या कहना चाहती हूं। मैंने इसे स्टेज पर लाने की कोशिश की, और इसी तरह मुझे पदक मिला।" अपने प्रशिक्षण के बारे में 19 साल की अरिहा ने कहा, "मैं रोज सुबह और शाम के सेशन में लगभग छह घंटे ट्रेनिंग करती हूं। और सिर्फ इतना ही नहीं, मैं कहूंगी कि यह मेरे कोच और मेरे माता-पिता की वजह से भी है, क्योंकि उनके बिना मैं इतना कुछ हासिल नहीं कर पाती।" उनके स्वर्ण पदक से इंडियन एरोबिक जिम्नास्टिक के लिए एक अहम पल दिखाया, जिसमें देश ने कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन के 10 संस्करण के बाद इस खेल में अपना पहला एशियन चैंपियनशिप स्वर्ण जीता। हमें स्वर्ण पदक मिला है। यह हमारे लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी।

जेमिमा चोट के कारण 'द हंड्रेड' से बाहर, एशिया कप में खेलने पर भी संदेह

लंदन। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स 'द हंड्रेड' के शेष मुकाबलों से बाहर हो गई हैं। जेमिमा के आगामी विमेंस टी20 एशिया कप में खेलने पर भी गंभीर संदेह पैदा हो गया है। जेमिमा ने 'सदर्न ब्रेव' की तरफ से खेलते हुए, 100-बॉल वाले इस टूर्नामेंट की छह पारियों में 35.75 की औसत के साथ 143 रन बनाए थे, लेकिन हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट बीच में ही छोड़ना पड़ा। फ्रेंचाइजी ने टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों के लिए जेमिमा की जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर चार्ली नॉट को टीम में शामिल किया

है। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, "हम पुष्टि करते हैं कि जेमिमा रोड्रिग्स को लगी चोट के कारण, हमने 'द हंड्रेड' के शेष मुकाबलों के लिए चार्ली नॉट को उनके स्थान पर टीम में शामिल किया है। जेमी, हम आपके जल्द ठीक होने की कामना करते हैं।" विमेंस द हंड्रेड की प्वाइंट्स टेबल में सदर्न ब्रेव फिलहाल दूसरे स्थान पर मौजूद है। इस टीम ने 6 में से 5 मैच अपने नाम किए हैं। टीम के पास फिलहाल 20 अंक हैं। वहीं, टेबल-टॉपर्स 'ट्रेंट रॉकेट्स' ने भी अब तक 6 मे से 5 मैच जीते हैं, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के चलते यह टीम शीर्ष पर है।

ब्रेन हेल्थ को न करें नजरअंदाज, एक्सपर्ट से जानें क्यों दिल जितनी ही जरूरी है इसकी देखभाल

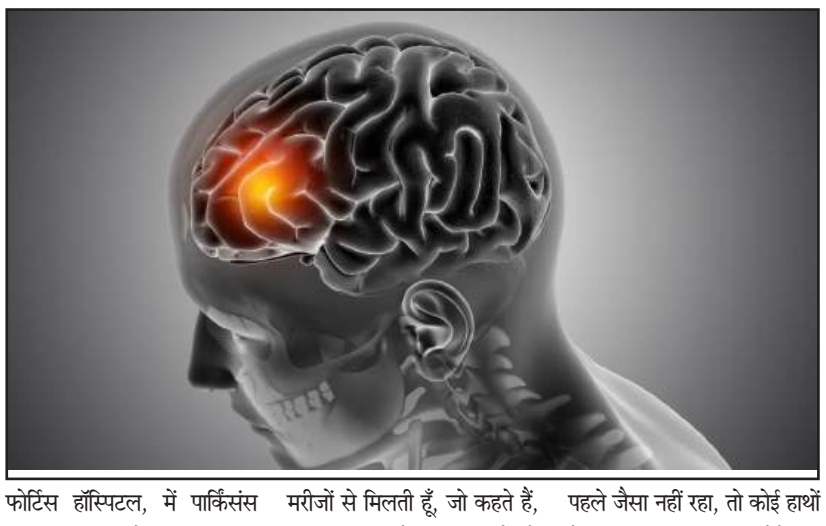

लोग अपने हार्ट को हेल्दी रखने के लिए अक्सर सुबह टहलते हैं, कम तेल वाला खाना खाते हैं, ब्लड प्रेशर चेक कराते हैं साथ ही शुगर कंट्रोल रखकर समय-समय पर हेल्थ चेकअप कराते हैं। लेकिन अगर यही सवाल दिमाग की सेहत को लेकर पूछा जाए, तो ज्यादातर लोग कुछ पल सोचने लगते हैं। शायद इसलिए क्योंकि हम दिमाग के बारे में तब सोचते हैं, जब कोई बड़ी समस्या सामने आ जाती है स्ट्रोक हो जाए, हाथ कांपने लगें, याददाश्त कमजोर होने लगे या बोलने में दिक्कत आने लगे। जबकि सच यह है कि दिमाग भी दिल की तरह रोज़ हमारी देखभाल चाहता है। नोएडा स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल, में पार्किंसंस डिजीज एवं मूवमेंट डिसऑर्डर्स, सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट एवं क्लिनिकल लीड, डॉक्टर नेहा पंडिता, कहती हैं कि मैं ऐसे मरीजों से मिलती हूँ, जो कहते हैं, "डॉक्टर, पिछले कुछ महीनों से चीजें भूलने लगा हूँ, लेकिन लगा कि उम्र का असर होगा।" कोई बताता है कि चलते समय संतुलन में हल्का कंपन महसूस होने की बात करता है। ज्यादातर लोग इन शुरुआती बदलावों को गंभीरता से नहीं लेते। दिमाग हमें अचानक नहीं चौंकाता, वह पहले छोटे-छोटे संकेत देता है। ज़रूरत सिर्फ उन्हें पहचानने की होती है।दिल और दिमाग का रिश्ता भी बेहद गहरा है। जिन लोगों का ब्लड प्रेशर लंबे समय तक बढ़ा रहता है, शुगर नियंत्रित नहीं रहती, कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है या धूम्रपान की आदत होती है, उनमें सिर्फ हार्ट अटैक का ही नहीं, बल्कि स्ट्रोक और याददाश्त से जुड़ी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। यानी जो आदतें दिल को नुकसान पहुंचाती हैं, वही धीरे-धीरे दिमाग को भी प्रभावित करती हैं। डॉक्टर कहती हैं कि अक्सर लोग पूछते हैं कि दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए कौन-सी दवा लें।

डॉक्टर सलीम जैदी ने बताया केला खाने का सही समय, इस वक्त खाने से नहीं होंगी स्वास्थ समस्याएं

केला एक ऐसा फल है जिसे एनर्जी का पावरहाउस माना जाता है। इसमें पोटैशियम, मैग्नीशियम, विटामिन B6 और फाइबर भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि गलत समय पर केला खाने से यह सेहत को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान भी पहुंचा सकता है? मशहूर स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉक्टर सलीम जैदी के अनुसार, केला खाने का सही समय जानना बेहद जरूरी है ताकि आप इसके सभी स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें और पाचन या एसिडिटी जैसी समस्याओं से बचे रहेंतो चलिए जानते हैं क्या है केला खाने का सही समय। डॉक्टर सलीम जैदी के अनुसार, केले का फूरपूर फायदा उठाने के लिए इसे सही समय पर खाना बेहद जरूरी है।

डॉक्टर सलीम के मुताबिक नाश्ते के लगभग 1 से 2 घंटे बाद केला खाना सबसे बेस्ट होता है। यह शरीर को दिनभर के लिए एनर्जी देता है। सुबह और रात के वक्त केले शरीर में अलग तरह से रिएक्ट करता है। सुबह खाली पेट केला खाने से इसमें मौजूद मैग्नीशियम और पोटैशियम का स्तर रक्त में अचानक बढ़ सकता है, जिससे पाचन तंत्र पर असर पड़ता है। इसके अलावा, इससे ब्लड शुगर का स्तर तेजी से बढ़कर अचानक गिर सकता है। वहीं रात के वक्त हमारा पाचन स्लो हो जाता है। इसे खाने से पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती है।

इसके अलावा रात के समय शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। ऐसे में केला खाने से कफ की समस्या बढ़ सकती है।

केले में नेचुरल शर्करा के साथ-साथ भरपूर कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं। नाश्ते के बाद केला खाने से यह ऊर्जा धीरे-धीरे रिलीज होती है, जिससे दोपहर के खाने तक शरीर में सुस्ती नहीं आती और थकान महसूस नहीं होती। केले में घुलनशील और अघुलनशील फाइबर पाए जाते हैं। नाश्ते के बाद इसका सेवन करने से भोजन आसानी से पचता है। यह कब्ज और गैस जैसी पेट की समस्याओं से राहत दिलाता है। खाली पेट केला खाने से कुछ लोगों को पेट में जलन हो सकती है। लेकिन जब आप नाश्ते के बाद केला खाते हैं, तो इसमें मौजूद पोटेशियम और नेचुरल एंटासिड गुण पेट के एसिड को न्यूट्रलाइज करते हैं, जिससे एसिडिटी और पेट फूलने की शिकायत नहीं होती। नाश्ते में इसे शामिल करने से शरीर में सोडियम का प्रभाव कम होता है, जिससे ब्लड प्रेशर सामान्य रहता है और हार्ट हेल्थ बेहतर रहता है।

पैरों में दिखने वाली नीली नसों को न समझें सामान्य

हमारा शरीर हज़ारो वेन्स से बना है। पूरे शरीर में फैली ये ब्लड वेसल्स सर्कुलेटरी सिस्टम का हिस्सा होती हैं जो ब्लड, ऑक्सीजन और न्यूट्रिशन को पूरी बॉडी में भेजने का काम करता है। कई बार आपने देखा होगा कुछ लोगों के पैरों में नीली, हरी और बैंगनी रंग की नसें दिखती हैं। यह सामान्य नहीं है बल्कि वैरिकोज वेन्स नमक एक गंभीर बीमारी है। यह हमारे शरीर में तब दिखती हैं, जब नसों की दीवारें कमजोर हो जाती हैं। वैरिकोज वेन्स ज्यादातर पैरों में होती है इसमें नसों में स्वेलिंग होती है वो मोटी, नीली और मुड़ी हुई नजर आती है। ये बीमारी लाइफ थ्रेटनिंग भले ना हो लेकिन, वक्त पर इलाज नहीं किया तो चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है। कई बार सर्जरी तक की नौबत आ सकती है। चलिए आपको बताते हैं वैरिकोज नसें के लक्षण क्या है और इसे कैसे ठीक किया जाए? जब बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन सही तरीके से नहीं होता है तो उस वजह से वैरिकोज वेन्स की समस्या बढ़ जाती है। दरअसल, ब्लड सर्कुलेशन स्लो होने से खून नसों में जमा होने लगता है और नसों में सूजन आने लगती है। सूजन के बाद नसें मुड़ने लगती हैं और फिर त्वचा पर उभरी हुई दिखाई देने लगती हैं। वैरिकोज में नीली नसों की गांठें कई बार बहुत लोगों में दर्द का कारण बनती हैं। वैरिकोज वेन्स की परेशानी ज्यादा देर तक खड़े रहने और लगातार बैठे रहने से होती है इसलिए इसके सबसे ज्यादा शिकार दुकानदार,टीचर,ऑफिस में घंटों बैठने वाले ट्रैफिक पुलिस और सिक्योरिटी गार्ड्स होते हैं। कहने का मतलब है कि जो लोग ज्यादा चल नहीं पाते वो डेंजर ज़ोन में आ जाते हैं। अपनी लाइफ स्टाइल में हल्के फुल्के बदलाव कर आप वैरिकोज वेन्स की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। जैसे कपिंग थेरेपी, लीच थेरेपी, मिट्टी लेप जैसी थेरेपी बेहद असरदार साबित होते हैं।

क्या आप जानते हैं सुबह खाली पेट भीगी हुई किशमिश खाने से क्या होता है?

सुबह खाली पेट भीगी हुई किशमिश का सेवन स्वास्थ्य के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आयुर्वेद में बासी या रातभर पानी में भिगोई गई किशमिश को आहार में शामिल करने की सलाह दी जाती है। जब आप किशमिश को पानी में भिगोते हैं, तो उसमें मौजूद नेचुरल शर्करा और पोषक तत्व और अधिक डाइजेस्टिबल हो जाते हैं। साथ ही, इसकी तासीर संतुलित हो जाती है, जिससे यह पेट को बिना नुकसान पहुंचाए फायदे पहुंचाती है। ऐसे में यहां हम आपको बताने जा रहे हैं सुबह खाली पेट भीगी हुई किशमिश खाने से क्या क्या फायदे होते हैं। किशमिश में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है।

जब इसे भिगोया जाता है, तो इसका फाइबर पानी सोखकर फूल जाता है, जिससे यह पेट के लिए एक नेचुरल लेक्सेटिव की तरह काम करता है। नियमित रूप से सुबह इसका सेवन करने से कब्ज, गैस और एसिडिटी की समस्या से हमेशा के लिए राहत मिलती है। यह आंतों की सफाई करके पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। अगर आप या आपके परिवार में कोई शरीर में खून की कमी या हीमोग्लोबिन के गिरते स्तर से परेशान है, तो भीगी किशमिश इसका सबसे बेहतरीन इलाज हो सकता है। किशमिश आयरन, कॉपर और बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन का बेहतरीन सोर्स है। यह शरीर में रेड ब्लड सेल्स के निर्माण को बढ़ाती है, जिससे कमजोरी और थकान दूर होती है। किशमिश में पोटैशियम की मात्रा बहुत अधिक होती है। पोटैशियम शरीर में सोडियम के प्रभाव को संतुलित करने में मदद करता है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स कोलेस्ट्रॉल के लेवल को सही बनाए रखते हैं और दिल की बीमारियों के खतरे को कम करते हैं। सुबह उठते ही अगर आपको सुस्ती या थकान महसूस होती है, तो चाय या कॉफी के बजाय भीगी किशमिश खाएं। इसमें नेचुरल ग्लूकोज और फ्रुक्टोज होते हैं जो शरीर को तुरंत और लंबे समय तक एनर्जी प्रदान करते हैं। यह वर्कआउट करने वालों के लिए एक बेहतरीन प्री-वर्कआउट स्नैक है। किशमिश में कैल्शियम और बोरॉन नाम का पोषक तत्व पाया जाता है। बोरॉन हड्डियों के विकास और कैल्शियम के अवशोषण के लिए बेहद जरूरी है। यह महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है। हालांकि, इसे किसी बीमारी का इलाज मानने के बजाय संतुलित आहार का एक हिस्सा समझना बेहतर है।

हर मच्छर का अपना 'फेवरेट' इंसान! 119 लोगों पर हुई रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा

अगर आपको लगता है कि मच्छर आपको दूसरों से ज्यादा काटते हैं, तो हो सकता है कि आप किसी खास प्रजाति के मच्छर के 'फेवरेट' हों। लेकिन जरूरी नहीं कि हर मच्छर आपको पसंद करे। एक नई स्टडी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि मच्छरों की अलग-अलग प्रजातियां अलग-अलग इंसानों की तरफ आकर्षित होती हैं। फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एफआईयू) के शोधकर्ताओं ने 119 लोगों पर यह अध्ययन किया। इसमें दुनिया की तीन ऐसी मच्छर प्रजातियों को शामिल किया गया, जो इंसानों में कई गंभीर बीमारियां फैला सकती हैं। शोधकर्ताओं ने देखा कि इन तीनों प्रजातियों को इंसानों की गंध और शरीर से निकलने वाले अलग-अलग रासायनिक संकेत किस तरह आकर्षित करते हैं। अध्ययन में एडीज एजिप्टी, एडीज एल्बोपिक्टस और क्यूलेक्स क्विनक्वेफैसिएटस को शामिल किया गया। ये तीनों अलग-अलग बीमारियों को फैलाने में भूमिका निभाते हैं। इनमें डेंगू, जीका, येलो फीवर और वेस्ट नाइल जैसी बीमारियां शामिल हैं। नतीजें चौंकाने वाले थे। तीनों प्रजातियों ने एक जैसे लोगों को पसंद नहीं किया। हर प्रजाति ने इंसानी शरीर की गंध को अपने तरीके से 'पढ़ा' और उसके आधार पर तय किया कि किस इंसान के पास जाना है। दरअसल इंसानी शरीर से एक हजार से ज्यादा तरह के वाष्पशील कार्बनिक यौगिक निकल सकते हैं। इनमें से कई के बारे में वैज्ञानिक अभी पूरी तरह नहीं जानते। यही रसायन हमारी प्राकृतिक गंध का हिस्सा बनते हैं और मच्छरों के लिए किसी तरह के संकेत का काम कर सकते हैं। इस प्रजाति ने पुरुषों की तरफ हल्की ज्यादा पसंद भी दिखाई।

कॉफी में इस मसाले को मिक्स करके पीना बेहद फायदेमंद

दादी-नानी के जमाने से औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी को सेहत के लिए वरदान माना जाता रहा है। हल्दी में पाए जाने वाले तमाम पौष्टिक तत्व आपकी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक बूस्ट कर सकते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हल्दी को कॉफी में मिक्स करके भी पिया जा सकता है? कॉफी में इस मसाले को मिलाकर पीने से आपकी सेहत पर एक से बढ़कर एक पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं। आइए हल्दी और कॉफी के कॉम्बिनेशन से बनी ड्रिंक के कुछ फायदों के बारे में जानते हैं। क्या आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं? अगर हां, तो आप हल्दी वाली कॉफी को रेगुलरली पीना शुरू कर सकते हैं। टरमरिक कॉफी पीकर आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को काफी हद तक बूस्ट किया जा सकता है, जिसकी वजह से आपको वजन घटाने में मदद मिल सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में हल्दी वाली कॉफी का सेवन करना बेहद जरूरी है। हल्दी वाली कॉफी आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती है। एसिडिटी जैसी पेट से जुड़ी समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप टरमरिक कॉफी को पीना शुरू कर सकते हैं। हल्दी वाली कॉफी का टेस्ट भी आपको काफी ज्यादा पसंद आ सकता है।

पेट से जुड़ी समस्या बन न जाए कोलोरेक्टल कैंसर का कारण, जान लें कब करवाएं टेस्ट

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, बिगड़ी लाइफस्टाइल और असंतुलित खान-पान के कारण पेट से जुड़ी समस्याएं बेहद आम हो गई हैं। हम अक्सर कब्ज, गैस या अपच जैसी तकलीफों को साधारण समझकर घरेलू नुस्खों या ओवर-द-काउंटर दवाइयों से दबाने की कोशिश करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पेट और आंतों से जुड़ी लंबे समय की समस्याएं आगे चलकर कोलोरेक्टल कैंसर का रूप ले सकती हैं। ऐसे में डॉ. विनीत गोयल, कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, ओखला बता रहे हैं कि कब इसका टेस्ट करवाना चाहिए। चलिए जानते हैं। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC) के GLOBOCAN अनुमानों के अनुसार, कोलोरेक्टल कैंसर दुनिया भर में तीसरा सबसे ज्यादा होने वाले कैंसर में से एक है। वहीं कोलोरेक्टल कैंसर दुनिया में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। हर साल इसके लगभग 19.3 लाख नए मामले सामने आते हैं और लगभग 9.04 लाख लोगों की मौत होती है। कोलोरेक्टल कैंसर के सबसे कॉमन लक्षणों में बिना दर्द वाली गांठ, पेट में ऐंठन जैसा दर्द, आंत में रुकावट, एनीमिया, मल में खून आना और बहुत ज्यादा थकान महसूस होना शामिल हैं। भूख कम लगना, पीलिया और हड्डियों में दर्द कैंसर भी कैंसर के कारण हैं। ये लक्षण अन्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर, जैसे छोटी आंत के ट्यूमर और पेट के कैंसर से भी मिलते-जुलते हो सकते हैं। साथ ही, इन लक्षणों का होना अपने आप में यह साबित नहीं करता कि शरीर में कैंसर है। कोलोरेक्टल कैंसर जेनेटिक भी हो सकता है।

आपका दिल मजबूत है या कमजोर? घर पर ही ऐसे करें खुद से जांच

हार्ट अटैक मौत का एक ऐसा खेल जिसमें अचानक चलता-फिरता-हंसता-खेलता इंसान गिरता है और उसे बचाने के लिए सिर्फ ढाई मिनट का वक्त होता है। लेकिन जब तक ये बात लोगों को समझ आती है, देर हो चुकी होती है। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो कोविड के बाद लोगों में हार्ट फेलियर का रेट बढ़ा है।

आर्टरी में इंजरी, छोटे-छोटे ब्लॉक, शॉक और स्ट्रेस की वजह से ब्लड क्लॉटिंग के मामले बढ़े हैं। सडन कार्डियक डेथ की एक वजह हार्ट में इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट भी है। क्योंकि कई बार ज्यादा एक्साइटमेंट से 'हार्ट बीट' बढ़ जाती है। नॉर्मली हार्ट एक मिनट में 72 बार धड़कता है मगर जब ये रेट 200 से 250 या 300 बीट हर मिनट हो जाती है तो हार्ट इफेक्टिव तरीके से ब्लड पंप नहीं कर पाता और फेल हो जाता है। चिंता की बात ये है कि भारत में हार्ट फेलियर के केस में सर्वाइवल रेट सिर्फ 1% के करीब है। ऐसे में जरूरी है कि दिल के हर सिग्नल को पहचाने, हार्ट कितना स्ट्रॉन्ग है इसका टेस्ट करें और योग-प्राणायाम को रोज की दिनचर्या में शामिल कर इसे मजबूत बनाएं। आइए जानते हैं स्वामी रामदेव से हार्ट अटैक को कैसे रोका जाए। दिल को मजबूत बनाने के लिए आप सबसे पहले अपनी डाइट में सुधार करें।

पिंच मयूरासन से पाएं मजबूत कंधे और फिट शरीर, जानिए इसे करने का आसान उपाय

बढ़ती उम्र और कामकाज के बीच शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। आगे चलकर यही शारीरिक समस्याएं बड़ी बीमारियों का कारण बनती है। हालांकि, योग और नियमित खान-पान से इस पर सुधार किया जा सकता है। ऐसे ही चुनौतीपूर्ण और शक्तिशाली आसनों में से एक है पिंच मयूरासन, जिसे अंग्रेजी में 'फेदर पीकॉक पोज' भी कहा जाता है। इस आसन में शरीर को सिर के बल नहीं, बल्कि कोहनियों और अग्रबाहुओं यानी कोहनी से कलाई तक के हिस्से के सहारे उल्टा साधा जाता है। देखने में जितना आसान लगता है, अभ्यास में उतना ही संतुलन, ताकत और धैर्य चाहिए। पिंच मयूरासन तन और मन दोनों के लिए फायदेमंद है। यह आसन सिर्फ बाहों, कंधों और कोर को ही मजबूत नहीं करता, बल्कि डर पर काबू पाकर आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद करता है। आयुष मंत्रालय ने पिंच मयूरासन को संतुलन और व्युत्क्रम आसन के रूप में मान्यता दी है। इसके अनुसार, पिंच मयूरासन को करने के दौरान शरीर का पूरा भार कोहनियों और बांहों पर होता है। यह आसन कंधों, पीठ और पैरों की हड्डियों पर असर करता है। इस आसन को करते समय जब कूल्हों को ऊपर उठाया जाता है, तो शरीर की मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और पोषक तत्व तेजी से हड्डियों तक पहुंचते हैं।

विटामिन डी की कमी को दूर करने वाले इंजेक्शन से सावधान! किडनी के लिए बन सकता है आफत

विटामिन डी की कमी सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का कारण बन सकती है। कुल मिलाकर विटामिन डी आपकी बॉडी और आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए एक जरूरी तत्व है। अगर आपकी बॉडी में इस विटामिन की कमी हो जाए, तो आपको इसकी कमी को दूर करने के लिए विटामिन डी रिच फूड आइटम्स को अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए। दरअसल, इस विटामिन की कमी को दूर करने वाला इंजेक्शन आपकी सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन डी इंजेक्शन आपकी किडनी और बोन हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकता है। कहीं ऐसा न हो कि इस विटामिन की कमी को दूर करने की जल्दबाजी आपकी सेहत पर भारी पड़ जाए। अगर आपकी बॉडी में विटामिन डी की ज्यादा मात्रा पहुंच जाए, तो आपकी किडनी में स्टोन पैदा होने की संभावना बढ़ सकती है। अगर आप अपनी किडनी को डैमेज होने से बचाना चाहते हैं तो विटामिन डी का इंजेक्शन लेने से पहले सोच विचार कर लें। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक विटामिन डी इंजेक्शन आपकी हड्डियों की मजबूती पर भी बुरा असर डाल सकता है। विटामिन डी की हाई डोज लेने की जगह डाइट प्लान में बदलाव करना बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए आप विटामिन डी से भरपूर फैटी फिश और डेयरी प्रोडक्ट्स को कंज्यूम करना शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा अंडे में भी विटामिन डी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। अगर आप चाहें तो बादाम का सेवन भी कर सकते हैं। इसके अलावा हर रोज धूप में बैठने से भी विटामिन डी की कमी को काफी हद तक दूर किया जा सकता है। ये आर्टिकल सामान्य जानकारी के लिए है, किसी भी उपाय को अपनाने से पहले डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें। विटामिन डी की कमी होने पर सबसे पहले इसकी जांच करवाना जरूरी है।

केवल थकान, शरीर में दर्द या कमजोरी जैसे लक्षणों के आधार पर स्वयं विटामिन डी की गोलियां या इंजेक्शन लेना उचित नहीं है। चिकित्सक जरूरत के अनुसार रक्त जांच और व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए सही मात्रा और उपचार की अवधि तय कर सकते हैं। विटामिन डी शरीर में कैल्शियम के अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए इसकी पर्याप्त मात्रा हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

बच्चों में यह हड्डियों के विकास और वयस्कों में हड्डियों की मजबूती बनाए रखने में मदद करता है। लंबे समय तक गंभीर कमी रहने पर हड्डियों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। खानपान के जरिए भी विटामिन डी प्राप्त किया जा सकता है। वसायुक्त मछली, अंडे की जर्दी और विटामिन डी से समृद्ध किए गए दूध या अन्य खाद्य पदार्थ इसके स्रोत हो सकते हैं।

धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफे पर तोड़ी चुप्पी, कहा- 'Gen Z को गुमराह करने की कोशिश हुई, पद मेरे लिए जरूरी नहीं'

भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता और संबलपुर के सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि नीट पेपर लीक मामले पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान जेन-Z को गुमराह करने की कोशिश की गई, जिसके कारण उन्हें केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पद छोड़ना पड़ा। प्रधान ने ठीक दो हफ्ते पहले दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच पद छोड़ दिया था। अब उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात कही है। प्रधान ने कहा, "जेन-Z हमारे बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। तब मुझे कोई पर्सनल दिक्कत नहीं थी। भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे पैदा होते हैं। पिछले 10 सालों में, 20 करोड़ बच्चे पैदा हुए। उनकी ख्वाहिशें हैं, और वे भारत को 'विश्व गुरु' बनाएंगे। यह पद मेरे लिए जरूरी नहीं था।" पूर्व शिक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया था और केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी। प्रधान ने 25 जुलाई को मिनिस्ट्री से इस्तीफा दे दिया था। रायराखोल में एक और मीटिंग में, प्रधान ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेडी प्रेसिडेंट नवीन पटनायक पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बीजेडी वर्कर्स के प्रोटेस्ट और उनसे "वापस जाओ" के नारों से परेशान नहीं हैं। एयरपोर्ट के पास बीजेडी यूथ और स्टूडेंट विंग के एक्टिविस्ट्स के प्रोटेस्ट का जिक्र करते हुए, जहां "धर्मेंद्र प्रधान गो बैक" जैसे नारे लगाए गए थे, उन्होंने कहा, "मैं एक किसान का बेटा हूं। अगर आप मुझे वापस जाने के लिए भी कहेंगे, तो मैं वापस आऊंगा।" प्रधान ने कहा, "नवीन बाबू मुझे ओडिशा के लोगों के लिए बदनाम और बुरा इंसान भी कहते हैं," उन्होंने बीजेडी प्रेसिडेंट पर उनके खिलाफ प्रोटेस्ट में युवाओं को शामिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, "क्या मैंने कभी ऐसा कुछ किया है, जिससे ओडिशा के लोगों को शर्म आए?", जिसके जवाब में वहां मौजूद लोगों ने जोर से "नहीं" कहा। उन्होंने कहा, "मैं भले ही राज्य का नाम न रोशन कर रहा हूं, लेकिन मैंने अपने काम से कभी लोगों को बदनाम नहीं किया है। मैं ऐसा कोई काम कभी नहीं करूंगा जिससे राज्य की इज्जत खराब हो।"

प्रधान ने कहा कि वह 12 साल पहले भगवान जगन्नाथ और संबलपुर की इष्टदेवी देवी समलेश्वरी के आशीर्वाद से केंद्रीय मंत्री बने थे। पटनायक के खिलाफ उनकी टिप्पणी एक मंच से आई, जिस पर बीजेडी विधायक और ओडिशा विधानसभा में डिप्टी लीडर प्रसन्ना आचार्य भी मौजूद थे। प्रधान ने कहा, "बीजेडी के विरोध को देखते हुए, मैंने प्रसन्ना भाई से सलाह ली थी कि मुझे जाना चाहिए या नहीं। प्रसन्ना बाबू ने मुझे आने के लिए कहा और भरोसा दिलाया कि मेरा स्वागत किया जाएगा। मैं उनकी इजाजत लेकर यहां आया हूं।" बीजेडी के संबलपुर जिला प्रेसिडेंट और पूर्व मंत्री रोहित पुजारी ने प्रधान पर पलटवार करते हुए कहा कि स्टूडेंट विरोध को संभालने के तरीके को लेकर बीजेपी नेता की आलोचना हुई थी। पुजारी ने कहा, "प्रधान को किसी ने बदनाम नहीं किया। उनकी पार्टी और सरकार ने जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण स्टूडेंट आंदोलन के दौरान पुलिस के लाठीचार्ज, आंसू गैस और जुल्म करके उन्हें बदनाम किया है।

कांवड़ यात्रा के दौरान SDRF की मुस्तैदी, तेज बहाव में फंसे 18 शिवभक्तों को किया रेस्क्यू

उत्तराखंड में आने वाले शिवभक्तों की सुरक्षा को लेकर एसडीआरएफ लगातार सक्रिय है। यहां हरिद्वार और ऋषिकेश में सावन के दौरान लाखों की संख्या में शिवभक्त पहुंच रहे हैं।

शिवभक्त इस दौरान गंगा-यमुना सहित विभिन्न नदियों में स्नान करते हैं और भगवान शिव पर चढ़ाने के लिए जल लेकर भी जाते हैं।

हालांकि इस दौरान कई बार अप्रिय घटनाएं भी हो जाती हैं।

ऐसी ही घटनाओं से बचने के लिए प्रदेश के विभिन्न नदियों के घाटों पर इस बार एनडीआरएफ को तैनान किया गया है। इसी क्रम में 18 शिवभक्तों को रेस्क्यू किए जाने का मामला भी सामने आया है।

दरअसल, 08 अगस्त 2026 को हरिद्वार के विभिन्न घाटों पर गंगा स्नान के दौरान पैर फिसलने एवं गंगा के तेज बहाव की चपेट में आने से संकट में फंसे कुल 18 शिवभक्तों को SDRF के जवानों द्वारा त्वरित रेस्क्यू कार्रवाई करते हुए सकुशल बाहर निकाला गया। SDRF जवानों की तत्परता, साहस एवं त्वरित कार्रवाई के चलते सभी 18 शिवभक्तों को सुरक्षित बचा लिया गया।

'हवा में उड़ेगी आपकी अपनी गाड़ी', फ्लाइंग कार बनाने वाले रवि टम्टा ने बताया फ्यूचर प्लान

अल्मोड़ा। क्या आपने कभी सोचा है कि आप उड़कर भी अपने दफ्तर या बाजार जा सकते हैं। अगर हां तो भविष्य में जल्द ही ऐसा सच हो सकता है। दरअसल, हैपिडा स्काई प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर रवि टम्टा ने HAPIDA SKYNeX फ्लाइंग व्हीकल के प्रोटोटाइप की सफल टेस्टिंग कर ली है। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें रवि टम्टा फ्लाइंग व्हीकल के प्रोटोटाइप में बैठकर उसको उड़ाते हुए दिख रहे हैं। रवि टम्टा का कहना है कि पर्सनल स्काई मोबिलिटी को फ्यूचर बनाना उनका सपना है। बता दें कि HAPIDA SKYNeX फ्लाइंग व्हीकल पूरी तरह से इलेक्ट्रिक क्राफ्ट है। यह पर्सनल स्काई मोबिलिटी के लिए मॉडिफाइड ड्रोन टेक्नोलॉजी का प्रयोग करता है। रवि टम्टा ने बताया कि मैंने फ्लाइंग व्हीकल बनाया है। इसका उद्देश्य पर्सनल मोबिलिटी को स्काई मोबिलिटी के जरिए बढ़ावा देना है। इसे फ्यूचर में आगे लाना है।

हमने हर जनरेशन में एक बड़ा बदलाव देखा है। मानव सभ्यता में जैसे पहले ट्रांसपोर्टेशन जानवरों के जरिए होता था। फिर गाड़ी और रेल आई। एयरक्राफ्ट भी बने। रवि टम्टा ने ये भी बताया कि वह पर्सनल स्काई मोबिलिटी को फ्यूचर बनाना चाहते हैं।

जब रवि टम्टा से पूछा गया कि ये फ्लाइंग व्हीकल कितनी दूरी कवर कर सकता है तो उन्होंने कहा कि इसके दूरी कवर करने की ऐसी कोई सीमा नहीं है। जरूरत पड़ने पर उसे बढ़ाया जा सकता है। इसकी चार्जिंग को भी बढ़ाया जा सकता है। इसको बनाने में मुझे एक साल लग गया है।

जब उनसे पूछा गया कि परिवार ने किस तरह सहयोग किया तो फ्लाइंग व्हीकल ने कहा कि परिवार ने हमेशा सहयोग किया है। मैंने कई प्रोजेक्ट बनाए हैं।

उन सभी में परिवार का बहुत सपोर्ट मिला। वहीं, DGCA और सरकार से परमिशन की बात पर रवि टम्टा ने कहा कि इस बारे में हमारी बात हो रही है। प्रशासन भी इसको लेकर लगा हुआ है। जान लें कि इनोवेटर रवि टम्टा को उनकी इस सफलता पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी भी बधाई दे चुके हैं।

महिला आरक्षण पर विपक्षी पार्टी के समर्थन से गदगद हुए रिजिजू, बोले- 'दिल से स्वागत है'

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने महिला आरक्षण विधेयक को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर शिरोमणि अकाली दल के समर्थन का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को बराबर राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के लिए सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए।

साथ ही, उन्होंने निष्पक्ष और समान परिसीमन की जरूरत पर भी जोर दिया। रिजिजू ने शनिवार को X पर कहा कि SAD का यह फैसला शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से पहले कायम की गई मिसाल के बाद आया है। बता दें कि रिजिजू महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पर समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं और उन्होंने इस बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी बातचीत की है। महिला आरक्षण विधेयक पर SAD का समर्थन मिलने के बाद रिजिजू ने लिखा, 'मैं शिरोमणि अकाली दल के इस बेहद महत्वपूर्ण फैसले का दिल से स्वागत करता हूं, जो शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से कायम की गई मिसाल के बाद लिया गया है। हमें महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक निष्पक्ष और समान परिसीमन सुनिश्चित करने के साथ एकजुट होकर काम करना चाहिए, ताकि उन्हें बराबर प्रतिनिधित्व मिल सके।' चंडीगढ़ में हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में संसद के सामने मौजूद कई अहम विधायी मुद्दों पर चर्चा हुई।

अचानक केरल क्यों पहुंचे ट्रंप के दामाद माइकल बूलोस? पूरे राज्य में हो रही है भारी मानसूनी बारिश

अलप्पुझा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और कारोबारी माइकल बूलोस ने शनिवार को केरल के अलप्पुझा का अचानक दौरा किया। उन्होंने भारी मानसूनी बारिश के बीच यहां की मशहूर बैकवॉटर यात्रा का आनंद लिया और हाउसबोट पर सैर की। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बूलोस का भारत में स्वागत करते हुए X पर लिखा, 'भारत में आपका फिर से स्वागत है @MichaelZBoulos! अपने दोस्त के साथ केरल में मुलाकात करके मैं बहुत खुश हूं।' बता दें कि इससे पहले बूलोस अपनी पत्नी के साथ दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर भी आए थे। अलप्पुझा में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इसके बावजूद बूलोस ने यहां के मशहूर बैकवॉटर इलाके में समय बिताया और हाउसबोट से आसपास के प्राकृतिक नजारों का आनंद लिया। उनके अचानक पहुंचने की खबर से अलप्पुझा में लोगों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला। अलप्पुझा को अक्सर 'पूर्व का वेनिस' कहा जाता है। यह इलाका अपने बड़े बैकवॉटर नेटवर्क, नहरों और पारंपरिक हाउसबोट के लिए दुनिया भर में जाना जाता है।

बूलोस की मौजूदगी ने इस पर्यटन स्थल को शनिवार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा में ला दिया। माइकल बूलोस का अलप्पुझा दौरा ऐसे समय हुआ है, जब यहां जल्द ही केरल के सबसे प्रमुख सांस्कृतिक और खेल आयोजनों में से एक नेहरू ट्रॉफी बोट रेस होने वाली है।

नावों की यह मशहूर रेस 22 अगस्त को आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का नाम भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर रखा गया है। नेहरू का भी अलप्पुझा से खास संबंध रहा है। 1952 में अलप्पुझा की यात्रा के दौरान उन्होंने एक स्नेक बोट में सवारी की थी। इसके बाद नई दिल्ली लौटने पर उन्होंने इस तरह की आधिकारिक नाव प्रतियोगिता शुरू करने के लिए एक ट्रॉफी की स्थापना की थी। माइकल बूलोस का जन्म अमेरिका के ह्यूस्टन में हुआ था और उनका पालन-पोषण लागोस में हुआ। वह एक कारोबारी हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप के पति हैं। माइकल बूलोस और टिफनी ट्रंप की शादी 2022 में हुई थी। मई 2025 में दोनों के पहले बच्चे का जन्म हुआ।

वन स्टेट वन इलेक्शन से लेकर OBC आयोग की सिफारिशों तक, भजनलाल कैबिनेट ने लिए 6 बड़े फैसले

इसमें वन स्टेट वन इलेक्शन से लेकर OBC आयोग की सिफारिशें स्वीकार करने जैसे कई अहम निर्णय शामिल हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई और इसमें कई अहम फैसलों पर मुहर लगी है। इस बैठक में वन स्टेट वन इलेक्शन से लेकर OBC आयोग की सिफारिशें स्वीकार करने और राजस्थान कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति-2026 तक कई बड़े फैसले लिए। पढ़ें भजनलाल शर्मा कैबिनेट के बड़े फैसले।

1. वन स्टेट वन इलेक्शन को मंजूरी

राजस्थान में पंचायत राज और नगर निकाय चुनाव एक साथ कराने का फैसला।

अलग-अलग चुनावों की जगह एक साथ चुनाव होंगे।

इससे समय, धन और प्रशासनिक संसाधनों की बचत का दावा।

2. OBC आयोग की सिफारिशें स्वीकार

पंचायत राज और नगर निकाय चुनावों में OBC आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ।

आरक्षण तय होने के बाद आरक्षित सीटों के लिए लॉटरी प्रक्रिया शुरू होगी।

3. राजस्थान कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति-2026 मंजूर

कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

फल, सब्जी, मसाले, तिलहन, दलहन, दूध, शहद, औषधीय पौधों समेत कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग को प्रोत्साहन।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर।

कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउस और फूड प्रोसेसिंग यूनिट को बढ़ावा।

4. राजस्थान फूड पार्क विकास नीति-2026 को मंजूरी

विश्वस्तरीय फूड पार्क विकसित किए जाएंगे।

स्थापना, संचालन और प्रबंधन के लिए रोडमैप तैयार होगा।

निवेश आकर्षित करने और कृषि उत्पादों की वैल्यू चेन मजबूत करने का लक्ष्य।

5. श्रम कल्याण के बड़े फैसले

काम के घंटे नए प्रावधानों के अनुसार तय होंगे।

श्रमिकों का महंगाई भत्ता (DA) अब साल में एक की बजाय दो बार बढ़ेगा।

राजस्थान कैबिनेट ने कहा कि श्रमिकों के लिए लागू हो रहे नए प्रावधानों का मकसद उनके हितों की बेहतर तरीके से सुरक्षा सुनिश्चित करना और महंगाई के असर को कम करना है। भजनलाल शर्मा सरकार का मानना है कि इन निर्णयों से श्रमिकों की माली हालत मजबूत होगी और इंडस्ट्रियल एरिया में संतुलित विकास को बढ़ावा मिलेगा।

6. 'हर घर तिरंगा' अभियान

9 से 17 अगस्त तक पूरे राजस्थान में अभियान चलेगा।

स्कूल, कॉलेज, सरकारी कार्यालय और घरों पर तिरंगा फहराया जाएगा।

राष्ट्रगान और देशभक्ति कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा।

इससे पहले हाल ही में भजनलाल शर्मा कैबिनेट ने नई इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट पॉलिसी को मंजूरी दी थी। इससे राजस्थान में बड़े पैमाने पर ईवी चार्जिंग स्टेशन खुल सकेंगे।

2 बाइक सवारों ने युवक पर पेट्रोल डालकर लगा दी आग, मचा हड़कंप

सुंदरगढ़। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। लहुणीपाड़ा थाना क्षेत्र के गणिघषा गांव में एक युवक पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप लगा है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, कान्हु चरण महांत शनिवार सुबह पास के एक नाले की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कथित तौर पर दो बाइकसवार लोगों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि इन लोगों ने कान्हु चरण के शरीर पर पेट्रोल डाल दिया और इसके बाद आग लगा दी। आग लगने के बाद कान्हु चरण मदद के लिए चिल्लाने लगे। कान्हु चरण की चीख सुनकर आसपास के कुछ ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने उन्हें बचाया और तत्काल इलाज के लिए लहुणीपाड़ा अस्पताल पहुंचाया। उनकी हालत गंभीर होने के कारण बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए राउरकेला के इस्पात जनरल अस्पताल रेफर किया गया। फिलहाल उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस मामले की जानकारी हासिल करने के लिए कान्हु चरण ने कथित तौर पर आरटीआई के जरिए जानकारी मांगी थी। कान्हु चरण की पत्नी ने इस हमले के पीछे जमीन से जुड़ा विवाद होने का आरोप लगाया है।

पीएम मोदी से मिले राघव चड्ढा, एक्स पर फोटो शेयर कर लिखा, 'यह सुबह हमेशा याद रखूंगा'

बीजेपी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शनिवार सुबह पीएम मोदी के साथ मुलाकात की। उन्होंने बताया कि इस दौरान काफी विस्तार से बात हुई और काफी अच्छी बात हुई। राघव चड्ढा ने एक्स पर लिखा, "एक ऐसी सुबह जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का मौका मिला। एक डिटेल्ड और अच्छी बातचीत हुई। उनके इतने समय और उनकी समझ और गाइडेंस से फायदा उठाने के मौके के लिए बहुत आभारी हूं।" संसद के मानसून सत्र के दौरान राघव चड्ढा ने डॉक्टरों और पैथोलॉजी लैब के बीच कमीशनखोरी का मुद्दा भी उठाया था। सदन में उनके भाषण की जमकर तारीफ हुई थी। राघव चड्ढा ने बताया था कि मरीजों को जबरन टेस्ट के लिए तय लैब भेजा जाता है। लैब संचालक मरीजों से ज्यादा पैसा वसूलते हैं और इसका एक हिस्सा डॉक्टर के खाते में जाता है। राघव चड्ढा के बीजेपी में शामिल होने के बाद उनकी पीएम मोदी के साथ पहली मुलाकात थी। राघव चड्ढा ने इससे पहले पीएम मोदी की तारीफ की थी। इस समय पीएम मोदी सबसे लंबे समय तक निर्वाचित पीएम बने थे। उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा था। राघव चड्ढा ने लंबा-चौड़ा पोस्ट करते हुए लिखा था कि इतिहास रच दिया गया है। उन्होंने लिखा था, "भारत आम तौर पर एक देश नहीं है। यह 1.4 अरब लोगों की सभ्यता है। 2014, 2019, 2024 में भारत के लोगों से लगातार तीन बार जनादेश, हर बार विश्वास का नया काम। इसे बिना रुके तीन बार जीतना बहुत खास है।"

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415